मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 8 अंक 199
सोमवार, 02 फरवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

बजट में सरकार का बड़ा एलान, सैलरी-पेंशन में जल्द बढ़ोतरी का रास्ता साफ

- 8वें वेतन आयोग के लिए 23.42 करोड़ का बजट प्रावधान
- केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स की सैलरी-पेंशन में बढ़ोतरी की तैयारी
- आयोग जल्द रिपोर्ट सौंपेगा, 200 दिनों में काम पूरा करने की उम्मीद

नई दिल्ली, 01 फरवरी। बजट 2026 में केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए बड़ी खबर आई है। सरकार ने आठवें वेतन आयोग से जुड़े खर्च के लिए अलग बजट प्रावधान कर दिया है। इसका मतलब है कि वेतन और पेंशन में भविष्य में बदलाव की तैयारी अब आधिकारिक रूप से शुरू हो चुकी है। बजट 2026-27 में इसके लिए 23.42 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इसमें से लगभग 21.32 करोड़ रुपए राजस्व व्यय और 2.10 करोड़ रुपए पूंजीगत व्यय के तौर पर रखे गए हैं।

यह पैसा आयोग के गठन, स्टाफ, दफ्तर, रिसर्च और प्रशासनिक खर्चों के लिए होता है। अभी यह वेतन बढ़ोतरी का पैसा नहीं, बल्कि आयोग के काम शुरू करने की तैयारी का बजट है।

इसका सीधा मतलब यह है कि सरकार आने वाले समय में 50 लाख से केंद्रीय कर्मचारियों और करीब 69 लाख पेंशनर्स की सैलरी स्ट्रक्चर की समीक्षा करने जा रही है। आम तौर पर वेतन आयोग महंगाई, जीवन-यापन लागत, कर्मचारियों की जरूरत और सरकार की वित्तीय स्थिति को देखकर नई वेतन सिफारिशें देता है। बाद में इन्हीं सिफारिशों के आधार पर बेसिक सैलरी, फिटमेंट फैक्टर, भत्ते और पेंशन में बदलाव होते हैं।

केंद्रीय कर्मचारियों के लिए इसका मतलब भविष्य में बेसिक वेतन बढ़ने की संभावना है, जिससे DA, HRA और दूसरे भत्ते भी बढ़ते हैं। पेंशनर्स के लिए नई सिफारिशें लागू होने पर बेसिक और फैमिली पेंशन में बढ़ोतरी हो सकती है।

फिलहाल बजट में सिर्फ आयोग के कामकाज के लिए शुरूआती धनराशि दी गई है, लेकिन यह साफ संकेत है कि 8वें वेतन आयोग की प्रक्रिया अब कागज से आगे बढ़ चुकी है। आने वाले सालों में इसकी सिफारिशें ही तय करेंगी कि केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स की जेब में कितनी बढ़ोतरी पहुंचेगी।

आयोग को मिले इस फंड को लेकर ऑल इंडिया एनपीएस इंप्लॉई फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मंजीत पेटल की प्रतिक्रिया भी आई है। उन्होंने कहा कि, ₹आयोग के कामकाज के लिए वित्त मंत्रालय ने 23.42 करोड़ रुपए फंड की व्यवस्था कर दी है। उम्मीद है अब आयोग जल्द से जल्द ऑफिस में काम करना शुरू करेगा और कर्मचारियों के हित में मिशन 200 दिनों में ही रिपोर्ट तैयार करके भारत सरकार को सौंपेगा ताकि और अधिक देरी से बचा जा सके।

सरकार ने देश के संकट को नजरअंदाज किया: राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को केंद्रीय बजट 2026-2027 की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि यह भारत के वास्तविक संकटों को नजरअंदाज करता है और सुधार के लिए कोई कदम नहीं उठाता। पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि विनिर्माण क्षेत्र गिर रहा है, निवेशक पूंजी निकाल रहे हैं और घरेलू बचत में भारी गिरावट आ रही है। लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने यह भी आरोप लगाया कि किसान संकट में हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि युवा बेरोजगार हैं। विनिर्माण क्षेत्र गिर रहा है। निवेशक पूंजी निकाल रहे हैं। घरेलू बचत में भारी गिरावट आ रही है। किसान संकट में हैं। वैश्विक संकटों का खतरा मंडरा रहा है - इन सब की अनदेखी की जा रही है। एक ऐसा बजट जो सुधार के लिए कोई कदम नहीं उठाता, भारत के वास्तविक संकटों को नजरअंदाज करता है। केंद्रीय बजट रविवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में पेश किया गया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बजट को फीका बताया। उन्होंने कहा कि बजट भाषण में प्रमुख कार्यक्रमों और योजनाओं के लिए बजटीय आवंटन के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने पर एक पोस्ट में कहा कि हालांकि दस्तावेजों का विस्तार से अध्ययन करना आवश्यक है, लेकिन 90 मिनट के बाद यह स्पष्ट हो जाता है कि बजट 2026/27 इसके प्रचार के अनुरूप बिल्कुल भी नहीं है। यह पूरी तरह से नीरस था। भाषण भी अपारदर्शी था क्योंकि इसमें प्रमुख कार्यक्रमों और योजनाओं के लिए बजटीय आवंटन के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि बजट में देश की गंभीर आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक चुनौतियों से निपटने के लिए नीतिगत दूरदर्शिता और राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के पास अब कोई नए विचार नहीं बचे हैं और बजट 2026 भारत की कई आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक चुनौतियों का कोई एक समाधान नहीं देता है।

मल्लिकार्जुन खरगे ने बजट 2026 को बताया दिशाहीन

नई दिल्ली, 01 फरवरी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की केंद्रीय बजट 2026 को लेकर आलोचना करते हुए कहा कि इसमें देश की गंभीर आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक चुनौतियों से निपटने के लिए नीतिगत दूरदर्शिता और राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव है। पर एक पोस्ट में उन्होंने सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाते हुए पूछा कि मेक इन इंडिया कहां है और दावा किया कि विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर 13% पर अटकी हुई है।

खरगे ने किसानों के लिए समर्थन की कमी पर भी निराशा व्यक्त की और कहा कि वे अभी भी सार्थक कल्याणकारी सहायता या आय सुरक्षा योजना की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि असमानता ब्रिटिश राज के समय के स्तर को भी पार कर गई है, लेकिन बजट में इसका उल्लेख नहीं है और न ही अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग और अल्पसंख्यक समुदायों को कोई सहायता प्रदान की गई है।

मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि मोदी सरकार के पास अब कोई नए विचार नहीं बचे हैं। बजट2026 भारत की अनेक आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक चुनौतियों का एक भी समाधान नहीं देता। 'मिशन मोड' अब 'चुनौती मार्ग' बन गया है। 'सुधार एक्सप्रेस' शायद ही किसी 'सुधार' जंक्शन पर रुकती है। नतीजाः कोई नीतिगत दूरदृष्टि नहीं, कोई राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं। हमारे अन्नदाता किसान अभी भी सार्थक कल्याणकारी सहायता या आय सुरक्षा योजना का इंतजार कर रहे हैं। असमानता ब्रिटिश राज के समय के स्तर को भी पार कर गई है, लेकिन बजट में इसका जिक्र तक नहीं है और न ही अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक वर्ग और अल्पसंख्यक समुदायों को कोई सहायता प्रदान की गई है।

उन्होंने कहा कि वित्त आयोग की सिफारिशों का और अधिक अध्ययन करना होगा, लेकिन ऐसा प्रतीत नहीं होता कि वे गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रही राज्य सरकारों को कोई राहत प्रदान करती हैं। संघवाद को भारी नुकसान हुआ है। क्या गायब है और कहाँ मायने रखता हैः विनिमार्णः कोई पुनरुद्धार रणनीति नहीं; 13% पर अटका हुआ है। 'मेक इन इंडिया' कहाँ है?

देश को बजट से नई राह मिलेगी : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 02 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्रीय बजट 2026-27 को "ऐतिहासिक" बताते हुए रविवार को कहा कि यह 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को दशार्ता है और सुधारों की यात्रा को मजबूत करता है तथा विकसित भारत के लिए एक स्पष्ट रूपरेखा तैयार करता है। लोकसभा में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा बजट पेश किए जाने के बाद टेलीविजन पर प्रसारित अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि बजट में "अवसरों की अपार संभावनाएं" हैं।

उन्होंने कहा, ₹आज का बजट ऐतिहासिक है। यह 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को दशार्ता है। यह सुधारों की यात्रा को मजबूती देता है और विकसित भारत के लिए एक स्पष्ट रूपरेखा तैयार करता है।" प्रधानमंत्री ने कहा कि बजट में देश की नारी शक्ति का प्रतिबिंब झलकता है।

उन्होंने कहा कि सीतारमण ने लगातार नौवीं बार देश का बजट पेश करके एक नया रिकॉर्ड बनाया है। मोदी ने कहा कि इस वर्ष का बजट 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसी योजनाओं को नयी गति देने के लिए एक महत्वाकांक्षी रूपरेखा प्रस्तुत करता है।

उन्होंने कहा, "यह बजट 2047 तक विकसित भारत की ओर हमारी यात्रा की नींव है। इस वर्ष का बजट भारत की 'सुधार एक्सप्रेस' को नयी ऊर्जा और नयी गति प्रदान करेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत केवल सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होने से संतुष्ट नहीं है और यह बजट भारत के उज्ज्वल भविष्य की नींव को मजबूत करता है। उन्होंने कहा, "यह बजट भारत की वैश्विक भूमिका को और मजबूत करता है। भारत के 140 करोड़ नागरिक केवल सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनकर संतुष्ट नहीं हैं। हम जल्द से जल्द विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना चाहते हैं। यह करोड़ों देशवासियों का संकल्प है।

मोदी ने कहा कि यह बजट विश्वास आधारित शासन और मानव-केंद्रित आर्थिक ढांचे की परिकल्पना को दशार्ता है तथा यह एक विशिष्ट बजट है जो राजकोषीय घाटे को कम करने और मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने को प्राथमिकता देता है, साथ ही मजबूत आर्थिक विकास के साथ उच्च पूंजीगत व्यय को संतुलित करता है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष के बजट में एमएसएमई को जो समर्थन मिला है, उससे इसे स्थानीय स्तर से लेकर वैश्विक स्तर तक विकास करने की नयी ताकत मिलेगी।

केंद्रीय बजट चुनावी राज्य बंगाल के प्रति भाजपा के सौतेले रवैये का प्रदर्शन : अभिषेक बनर्जी

कोलकता। तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी ने रविवार को पेश केंद्रीय बजट को चुनावी राज्य बंगाल के प्रति भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सौतेले रवैये का प्रतिबिंब बताया। आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा की हार का दावा करते हुए, तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव ने आरोप लगाया कि भाजपा पश्चिम बंगाल की जनता को सबक सिखाने की कोशिश कर रही है। तृणमूल मीडिया प्रकोष्ठ द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, बनर्जी ने संसद के बाहर पत्रकारों से कहा, बंगाल में वे हार रहे हैं। इसलिए भाजपा अपने सौतेले रवैये से लोगों को सबक सिखाने की कोशिश कर रही है। लोकसभा में डायमंड हार्बर सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले बनर्जी ने कहा, लेकिन लोकतंत्र में यह बात उलटी पड़ती है।

वर्धमान तप की 100वीं ओली की पूर्णता पर पंचाह्निका तपोत्सव का भव्य आयोजन

अहमदाबाद। जैन धर्म की तप, त्याग और संयम की गौरवशाली परंपरा को उजागर करती एक अत्यंत पावन धार्मिक घटना के रूप में रामनगर, साबरमती स्थित श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ जिनालय के पार्श्वनाथ आराधना भवन में पंचाह्निका तपोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। यह तपोत्सव 108 फुट के आदिनाथ दादा के प्रेरक, जंबूद्वीप, नागेश्वर, मांडवगढ़ एवं माणिभद्र तीर्थों के उद्धारक व मार्गदर्शक गुरुदेव प.पू. आ. भ. श्री अशोकसागर सूरीश्वरजी म.सा. के पावन सान्निध्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर कार्यदक्ष एवं विनयी प.पू. आ. म. श्री सौम्यचंद्रसागर सूरीश्वरजी म.सा., वर्धमान तप के आराधक प.पू. आ. म. श्री विवेकचंद्रसागर सूरीश्वरजी म.सा., प्रवर्तक प.पू. श्री धैर्यचंद्रसागरजी म.सा. तथा प.पू. सा. श्री वसंतप्रभाश्रीजी म.सा. की शिष्या,

भीष्म तपस्विनी प.पू. सा. श्री गिरांशु श्रीजी म.सा. की दिव्य तपशक्ति से वर्धमान तप की 100वीं ओली की पूर्णता का मंगल अवसर मनाया गया। इस पावन प्रसंग पर पारणा श्री जैन धार्मिक शिक्षण संघ के उपप्रमुख ट्रस्टी संजय जीवनलाल शाह एवं महिला विभाग की उपप्रमुख अल्पा संजय शाह के वरद हस्तों से संपन्न हुआ। यह शुभ अवसर 01 फरवरी 2026 (रविवार) को श्रद्धा एवं भक्ति भाव से मनाया गया। अल्पायु से आरंभ की गई कठोर तपश्चर्या, अखंड आराधना एवं संयममय जीवन के माध्यम से तपस्विनी श्री का जीवन आज समाज के लिए प्रेरणा का जीवंत प्रतीक बन चुका है। पंचाह्निका तपोत्सव के दौरान तपवंदना, अनुमोदना, विनंती, श्रमण-श्रमणियों का वंदन, पाँच छोड़े का उद्यापन सहित विविध तप आराधनाओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अनेक साधु-साध्वी भगवंतों की पावन उपस्थिति से संपूर्ण वातावरण भक्ति, साधना और आत्मशुद्धि के भावों से ओत-प्रोत हो गया। तपस्विनी श्री द्वारा संपन्न 108 उपवास गुणसंवरण, 7400 दीर्घ आयंबिल, 18 मासक्षमण एवं अन्य दुर्लभ तपश्चयाओं ने जैन समाज में तप-महिमा, संयम और आध्यात्मिक उन्नति के मूल्यों को और अधिक सुदृढ़ किया है। साथ ही प.पू. सा. श्री गिरांशु म.सा. की वाक्पटुता एवं प्रवचन प्रभाव ने समाज में धर्मजागृति को नई दिशा प्रदान की है। इस पावन अवसर पर साबरमती संघ अध्यक्ष जयंतीभाई संघवी (रत्नमणि), धर्मे ट्रस्ट के ट्रस्टी श्री धर्मेशभाई शाक, जशवंतलाल नेमचंद शाह सहित अनेक साधु-साध्वी, जैन ट्रस्टी, संघ पदाधिकारी, धर्मप्रेमी महानुभाव एवं संस्था सदस्य उपस्थित रहे। हजारों की संख्या में श्रावक-श्राविकाओं की उपस्थिति से यह तपोत्सव अत्यंत भव्य एवं स्मरणीय बना।

बजट 2026 से बदलेगी युवाओं-महिलाओं की तकदीर : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बात पर प्रकाश डाला कि केंद्रीय बजट आम जनता पर केंद्रित है और महिला-केंद्रित है। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य 2047 तक विकसित भारत के मिशन को हासिल करना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र ने 'विकसित भारत' का रोडमैप तैयार करते हुए आज केंद्रीय बजट पेश किया है। मैं प्रधानमंत्री मोदी को बजट दिशा-निर्देशों के मार्गदर्शन और देखरेख के लिए धन्यवाद देता हूं। मैं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को भी इस बजट को पेश करने के लिए धन्यवाद देता हूं।

विकसित भारत की उड़ान: बजट 2026 के आर्थिक संकल्प

-ललित गर्ग

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत नवीन केंद्रीय बजट को यदि समग्र दृष्टि से देखा जाए तो यह केवल एक वार्षिक वित्तीय दस्तावेज नहीं, बल्कि विकसित भारत 2047 के स्वप्न की ठोस आधारशिला के रूप में सामने आता है। यह बजट उस रिफॉर्म एक्सप्रेस की तरह है जो बीते वर्षों में चली आर्थिक सुधारों की पटरियों पर तेज गति से दौड़ते हुए अब भारत को उच्च विकास, समावेशन और आत्मनिर्भरता की नई ऊँचाइयों की ओर ले जाने का दावा करता है। तुलनात्मक, विवेचनात्मक और समीक्षात्मक दृष्टि से यह बजट पूर्ववर्ती

बजटों की निरंतरता को बनाए रखते हुए कई नए आयाम भी जोड़ता है, जो इसे ऐतिहासिक और भविष्यगामी बनाते हैं।

पिछले कुछ वर्षों के बजटों की तुलना में यह बजट अधिक आत्मविश्वास के साथ सामने आता है। महामारी, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति श्रृंखला की चुनौतियों के बीच भारत ने जिस आर्थिक मजबूती का प्रदर्शन किया है, उसका आत्मविश्वास इस बजट में स्पष्ट झलकता है। जहां पूर्व बजटों में संकट प्रबंधन और अर्थव्यवस्था को संभालने पर अधिक जोर था, वहीं यह बजट विकास की ऊंची उड़ान के लिए रनवे तैयार करता दिखता है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास का मंत्र यहां नारे से आगे बढ़कर नीतिगत संरचना का रूप लेता है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में बजट की दृष्टि विशेष रूप से विवेचनात्मक है। चिकित्सा अवसंरचना के विस्तार, मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ाने, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और डिजिटल हेल्थ के माध्यम से गांव-गांव तक चिकित्सा सुविधाएं पहुँचाने की दिशा में किए गए प्रावधान यह संकेत देते हैं कि सरकार स्वास्थ्य को केवल खर्च नहीं, बल्कि मानव पूंजी में निवेश मान रही है। यदि पिछले दशक के बजटों से तुलना की जाए तो स्वास्थ्य पर आवंटन और दृष्टिकोण दोनों में गुणात्मक परिवर्तन दिखाई देता है। यह बदलाव भारत को न केवल स्वस्थ समाज की ओर ले जाने वाला है, बल्कि उत्पादकता और आर्थिक वृद्धि को भी दीर्घकाल में मजबूती देगा। शिक्षा के क्षेत्र में भी बजट की आत्मा दूरदर्शी है। नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन, कौशल विकास, डिजिटल शिक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उभरती तकनीकों से जुड़ी शिक्षा पर बल यह दशार्ता है कि सरकार भविष्य के भारत के लिए आज के युवाओं को तैयार करना चाहती है। पूर्ववर्ती बजटों में शिक्षा पर खर्च की चर्चा होती थी, लेकिन इस बजट में शिक्षा को रोजगार और नवाचार से जोड़ने की स्पष्ट रणनीति दिखाई देती है। यह एक ऐसा बिंदु है जहाँ यह बजट तुलनात्मक रूप से अधिक परिपक्व और व्यावहारिक प्रतीत होता है।

विकास की दृष्टि से यह बजट इन्फ्रास्ट्रक्चर प्लस समावेशन का मॉडल प्रस्तुत करता है। रेलवे कॉरिडोरों के विकास, लॉजिस्टिक्स को सशक्त बनाने, सड़क, बंदरगाह और शहरी अवसंरचना में निवेश को जिस तरह प्राथमिकता दी गई है, वह भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का मजबूत हिस्सा बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सात रेलवे कॉरिडोर विकसित करने की घोषणा केवल परिवहन सुविधा का विस्तार नहीं, बल्कि औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और क्षेत्रीय संतुलन का माध्यम भी है। यदि इसे पिछले बजटों से जोड़कर देखा जाए तो स्पष्ट होता है कि सरकार अब बुनियादी ढांचे को विकास का इंजन मानकर लगातार गति दे रही है। ग्रामीण भारत के संदर्भ में यह बजट विशेष उल्लेख के योग्य है। कृषि, ग्रामीण अवसंरचना, सिंचाई, किसान कल्याण और ग्रामीण उद्यमिता से जुड़े प्रावधान यह संकेत देते हैं कि गांव को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की मंशा केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है। मेडिकल सुविधाओं, शिक्षा और डिजिटल कनेक्टिविटी के विस्तार से ग्रामीण भारत में जीवन की गुणवत्ता सुधरने की संभावना बढ़ती है। यह आत्मनिर्भर भारत की उस परिकल्पना को साकार करता है जिसमें गांव मजबूत होंगे तो देश स्वतः मजबूत होगा। नारी शक्ति के सशक्तिकरण के संदर्भ में भी बजट का दृष्टिकोण तुलनात्मक रूप से व्यापक है। महिला स्वयं सहायता समूहों, महिला उद्यमिता, स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़े विशेष प्रावधान यह दशार्ते हैं कि महिलाओं को केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि विकास की भागीदार के रूप में देखा जा रहा है। गरीबों और वंचित वर्गों के लिए लक्षित योजनाएं इस बजट को सामाजिक न्याय की दृष्टि से भी संतुलित बनाती हैं। समीक्षात्मक रूप से देखा जाए तो यह बजट कल्याण और विकास के बीच संतुलन साधने का प्रयास करता है, जो किसी भी दीर्घकालिक आर्थिक नीति की अनिवार्य शर्त है। युवाओं के लिए यह बजट विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। स्टार्टअप, नवाचार, स्किल इंडिया, रोजगार सृजन और नई तकनीकों में निवेश युवाओं की आकांक्षाओं को संबोधित करता है। यदि इसे आगामी विधानसभा चुनाव वाले राज्यों के संदर्भ में देखा जाए तो यह भी स्पष्ट होता है कि बजट में क्षेत्रीय संतुलन और राजनीतिक यथार्थ का भी ध्यान रखा गया है। हालांकि आलोचक इसे चुनावी बजट कह सकते हैं, लेकिन विवेचनात्मक दृष्टि से यह कहना अधिक उचित होगा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में बजट का जन-आकांक्षाओं से जुड़ा होना स्वाभाविक है, बशर्ते वह दीर्घकालिक विकास को बाधित न करे। इस बजट में दीर्घकालिक दृष्टि और तात्कालिक आवश्यकताओं के बीच संतुलन दिखाई देता है।

समीक्षात्मक रूप से यह स्वीकार करना होगा कि किसी भी बजट की सफलता केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन से तय होती है। संसाधनों की उपलब्धता, राज्यों के साथ समन्वय और पारदर्शी प्रशासन इस बजट की वास्तविक परीक्षा होंगे। फिर भी, तुलनात्मक दृष्टि से यह बजट भारत की आर्थिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव प्रतीत होता है। अंततः यह कहा जा सकता है कि निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत यह बजट भारत के विकास की ऊंची उड़ान का मजबूत आधार है। यह वर्तमान की चुनौतियों को स्वीकार करते हुए भविष्य की संभावनाओं के लिए रास्ता तैयार करता है। स्वास्थ्य, शिक्षा, अवसंरचना, ग्रामीण विकास, नारी शक्ति और युवाओं को केंद्र में रखकर यह बजट विकसित भारत 2047 की दिशा में एक सशक्त कदम है। यदि इसे निरंतर सुधार, जवाबदेही और समावेशी क्रियान्वयन का साथ मिला, तो यह बजट इतिहास में केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि भारत के उज्ज्वल भविष्य की नींव के रूप में याद किया जाएगा।

संतुलन की पतली रस्सी पर बजट 2026

-प्रियंका सौरभ

आज 1 फरवरी 2026 को संसद में पेश केंद्रीय बजट 2026 ने एक बार फिर साबित कर दिया कि सरकार आर्थिक अनुशासन और जनता की आकांक्षाओं के बीच संकरी राह पर चल रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भाषण की शुरुआत ही स्थिरता, निरंतरता और दीर्घकालिक विकास की सोच से की। कोई अप्रत्याशित लोकलुभावन घोषणाओं का धमाका नहीं हुआ, बल्कि बजट ने यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाया। राजकोषीय घाटे को वित्तीय वर्ष 2026 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.4 प्रतिशत रखा गया, जो पूर्व निर्धारित 4.5 प्रतिशत लक्ष्य से भी नीचे है। यह कदम वित्तीय अनुशासन की मजबूत मिसाल पेश करता है। पूंजीगत व्यय को पिछले वर्ष के 11.2 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर 12.5 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया, जो लगभग 12 प्रतिशत की वृद्धि दशार्ता है। यह बढ़ोतरी बुनियादी ढांचे, शहरी विकास परियोजनाओं और डिजिटल तकनीक क्षेत्रों पर केंद्रित है। निजी क्षेत्र के निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संपत्ति मुद्रीकरण योजना के तहत 10 लाख करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

भारतीय अर्थव्यवस्था ने पिछले वित्तीय वर्ष में 6.8 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की थी, लेकिन वैश्विक आर्थिक मंदी, अमेरिका-चीन व्यापार तनाव और घरेलू मुद्रास्फीति जैसी चुनौतियां बरकरार हैं। बजट ने राजकोषीय घाटे को सख्ती से 4.4 प्रतिशत पर नियंत्रित रखा, जबकि प्रभावी राजस्व घाटे को 96,654 करोड़ रुपये तक सीमित किया गया, जो जीडीपी का मात्र 0.3 प्रतिशत है। पूंजीगत व्यय पर 12.5 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान राष्ट्रीय बुनियादी ढांचा पाइपलाइन को नई गति देगा। राजमार्ग निर्माण में अतिरिक्त 50,000 किलोमीटर का लक्ष्य, रेलवे विद्युतीकरण और आधुनिकीकरण पर 2.5 लाख करोड़ रुपये का आवंटन भविष्य की नींव को अटल बनाने का संकल्प दिखाता है। राज्यों को 1.5 लाख करोड़ रुपये का 50 वर्षीय ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाएगा, जो संघीय ढांचे को मजबूत करेगा। सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल को बढ़ावा देने के लिए कर छूट, एकल खिड़की प्रणाली और तेज मंजूरी प्रक्रिया जैसे उपाय किए गए हैं। सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है—निवेशक आइए, हम पूरी तरह तैयार हैं। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या ये विशाल निवेश ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में रोजगार सृजन करेंगे, या केवल महानगरों की चकाचौंध तक सीमित रहेंगे?

मध्यम वर्ग, जो देश की जीडीपी में लगभग 40 प्रतिशत योगदान देता है, को इस बजट में ठोस कर राहत? मिली है। पुरानी कर व्यवस्था में मानक कटौती को 50,000 रुपये से दोगुना बढ़ाकर 1 लाख रुपये कर दिया गया, जबकि वरिष्ठ नागरिकों के लिए यह और अधिक उदार है। नई कर व्यवस्था में स्लैबों को सरल बनाया गया—5 लाख रुपये तक की आय पर शून्य कर। शिक्षा ऋण पर टीसीएस हटाया गया (10 लाख रुपये तक), जबकि किराया टीडीएस सीमा को 2.4 लाख से बढ़ाकर 6 लाख रुपये किया गया। दो स्व-व्यवहृत आवासीय संपत्तियों पर कर राहत का प्रावधान, आयकर रिटर्न दाखिल करने की समय सीमा को 2 वर्ष से बढ़ाकर 4 वर्ष किया गया। कर संहिता को 819 धाराओं से घटाकर 536 धाराओं में सरलीकृत करने का वादा सराहनीय है। ये कदम करदाता को राजस्व का मात्र स्रोत न मानकर भरोसेमंद भागीदार बनाने की दिशा में हैं। हालांकि, जमीनी स्तर पर अनुपालन प्रक्रिया को और सरल बनाना होगा, वरना ये राहतें कागजी औपचारिकताओं तक सीमित रह सकती हैं।

कृषि क्षेत्र, जो अभी भी 18 प्रतिशत जीडीपी और 65 प्रतिशत ग्रामीण आबादी का आधार है, पर बजट ने विशेष ध्यान दिया। प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना को 100 जिलों में विस्तारित किया गया, फसल विविधीकरण को प्रोत्साहन, सिंचाई और भंडारण क्षमता बढ़ाने पर जोर। पीएम किसान सम्मान निधि में वृद्धि, किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा बढ़ाई गई। मत्स्य पालन विकास के लिए अंडमान-लक्षद्वीप में आर्थिक क्षेत्र घोषित, फल-सब्जी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने का प्रावधान। मनरेगा बजट में वृद्धि, ग्रामीण क्रेडिट स्कोरिंग प्रणाली से स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को ऋण सुगम। चमड़ा-फुटवियर और खिलौना उद्योगों से 22 लाख नए रोजगार का अनुमान है। ये प्रावधान ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देंगे, लेकिन वास्तविक परीक्षा यही होगी कि क्या ये योजनाएं कागजों से निकलकर खेतों, बाजारों तक पहुंच पाएंगी। छोटे और सीमांत किसानों को लाभ मिलना चाहिए, न कि बड़े जमींदारों तक सीमित रहना चाहिए।

महिला सशक्तीकरण को प्राथमिकता देते हुए लक्ष्मी वंदना योजना का विस्तार, स्वरोजगार ऋण पर गारंटी हटाई गई (20 लाख तक)। शहरी महिलाओं के लिए घर-आधारित कार्य को कर छूट का लाभ। पंचायती राज संस्थाओं के लिए 10,000 करोड़ रुपये का विशेष प्रावधान हरियाणा जैसे राज्यों में, जहां महिला आरक्षण 50 प्रतिशत है, वास्तविक नेतृत्व को बढ़ावा देगा। ये कदम लैंगिक समानता की दिशा में महत्वपूर्ण हैं, लेकिन पंचायत स्तर तक प्रभावी क्रियान्वयन जरूरी होगा।

देश की 60 प्रतिशत युवा आबादी (35 वर्ष से कम) को सशक्त बनाने के लिए शिक्षा क्षेत्र में 1.35 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बजट, जिसमें 50 नए आईआईटी और मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाएंगे। स्किल इंडिया कार्यक्रम को 2 लाख करोड़ रुपये, इंटर्नशिप योजना से 5 करोड़ युवाओं को प्रतिमाह 1 लाख रुपये स्टाइपेंड। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सहायता, रोजगार-केंद्रित विकास मॉडल। बेरोजगारी दर को 8 प्रतिशत से नीचे लाने का दृढ़ संकल्प दिखता है। स्टार्टअप इंडिया फंड को 50,000 करोड़ रुपये का आवंटन युवा उद्यमिता को प्रोत्साहित करेगा। लेकिन सवाल वही है—क्या ये प्रयास नौकरियों का अवसर बनेंगे, या युवा पीढ़ी नौकरी के पीछे भटकती रहेगी?

तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) केंद्र स्थापना, 5जी स्पेक्ट्रम नीलामी से 2 लाख करोड़ राजस्व लक्ष्य। डिजिटल इंडिया को 1 लाख करोड़ रुपये। स्वच्छ ऊर्जा पर 5 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान—सौर पार्क, ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) पर 100 प्रतिशत बीमा, जन विश्वास विधेयक 2.0 से 100 से अधिक पुराने कानून सरलीकृत। ये कदम भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की रणनीति का हिस्सा हैं, लेकिन डिजिटल विभाजन को पाटना होगा ताकि ग्रामीण क्षेत्र भी तकनीक से वंचित न रहें।

अंत में, चुनौतियां भी कम नहीं। मुद्रास्फीति को 5.5 प्रतिशत पर नियंत्रित रखना, खाद्य महंगाई पर अंकुश। रक्षा बजट 6.5 लाख करोड़ रुपये से सीमा सुरक्षा मजबूत। पर्यावरण संरक्षण पर 1 लाख करोड़ रुपये, निर्यात प्रोत्साहन और नवाचार को बढ़ावा। बजट ने दिशा स्पष्ट कर दी है—अब क्रियान्वयन की रफ्तार और ईमानदारी ही परिणाम तय करेगी। बजट 2026 गरीब, किसान, युवा, महिलाओं पर केंद्रित 10 प्रमुख क्षेत्रों का यथार्थवादी रोडमैप है। यह न केवल उम्मीदें जगाता है, बल्कि सवाल भी खड़े करता है। असली कसौटी अमल में होगी—दिशा साफ है, अब गति दिखाने की बारी!

तो इन्हें सताता है देश की बदनामी का डर?

-तनवीर जाफरी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भारतीय जनता पार्टी के नेता व समर्थक अक्सर यह आरोप लगाते रहते हैं कि वे विदेशी की धरती पर भारतीय राजनीति, संस्थानों चुनाव आयोग, न्यायपालिका या भारतीय मीडिया व सरकार की आलोचना करके देश की छवि को खराब करते रहते हैं। इतना ही नहीं बल्कि भाजपा इसे ₹देश-विरोधी₹ या ₹भारत को बदनाम करने₹ की साजिश तक बताती है। सवाल यह है कि आखिर किन बातों से देश की बदनामी होती है और बदनामी और नेकनामी का पैमाना है क्या? याद कीजिये जब राहुल गांधी ने 2023 में कैंब्रिज यूनिवर्सिटी (यू के) में कहा कि भारत में विपक्ष को दबाया जा रहा है और चीन का खतरा समझा नहीं जा रहा है। इसमें राहुल ने क्या गलत कहा था? परन्तु भाजपा ने राहुल के इस सच्चाई भरे वक्तव्य को भारत को बदनाम करना बताया था। इसी तरह जब 2023 में कोलंबिया की एक यूनिवर्सिटी में राहुल ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र पर हमला हो रहा है और कुछ बड़े व्यापारियों का अर्थव्यवस्था पर कब्जा है तब भी भाजपा ने इसे राहुल द्वारा विदेशी धरती पर भारत को बदनाम करना बताया था। अभी कुछ समय पूर्व ही जब राहुल गाँधी ने बर्लिन (जर्मनी) में चुनाव आयोग पर सवाल उठाए और कहा कि हरियाणा चुनाव में धांधली हुई उस समय भी भाजपा ने इसे संस्थानों को बदनाम करने की साजिश ₹ बताया था। राहुल गाँधी के ऐसे आरोपों से भाजपा इतना तिलमिला जाती है कि वह राहुल की आलोचना को एंटी-इंडिया फोर्सेज से जोड़कर कांग्रेस को कमजोर करने की कोशिश करने लगती है। यहाँ तक कि कुछ भाजपा नेता इसे चाइना की तारीफ या विदेशी हस्तक्षेप₹ को आमंत्रित करने तक के रूप में परिभाषित कर देते हैं। भाजपाई कहते हैं कि इससे भारत की ग्लोबल इमेज खराब होती है

इस विषय पर कांग्रेस व राहुल गाँधी का कहना है कि वे सिर्फ ₹सच्चाई₹ बोलते हैं,और आलोचना लोकतंत्र का हिस्सा है। लिहाजा राहुल भाजपा के आरोपों को खारिज करते हुए कहते हैं कि चीन जैसे मुद्दों पर तो मोदी खुद ही विदेश में भारत को बदनाम करते हैं। कुछ का मत है कि राहुल विदेश में कुछ नया नहीं कहते,वे भारत में भी यही कहते हैं। कांग्रेस के अनुसार समस्या चुनावी प्रक्रिया में है, न कि आलोचना में। कांग्रेस इसे ₹साइलेंट करने₹ की कोशिश बताती है। और सच भी है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक नेता प्रायः विदेश में अपनी सरकार की आलोचना करते हैं, और यह 'फ्री स्पीच' का हिस्सा माना जाता है। इससे देश की बदनामी नहीं होती, बल्कि इससे किसी भी देश के लोकतान्त्रिक मूल्य नजर आते हैं। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह भी कि ऐसे भी कोई प्रमाण नहीं है कि विदेश में की गयी राहुल की बातों से भारत की अर्थव्यवस्था, निवेश या कूटनीति पर कभी कोई नकारात्मक प्रभाव पड़ा हो। सरकार खुद ही तो बताती रहती है कि भारत की जी डी पी ग्रोथ और ग्लोबल रैंकिंग मजबूत बनी हुई है?

इसी तरह राहुल गांधी व कांग्रेस के कई नेता नरेंद्र मोदी पर भी यह आरोप लगा चुके हैं कि वे विदेशी धरती पर भारत या पिछले 70 वर्षों के शासन की आलोचना कर देश को बदनाम करते हैं। नरेंद्र मोदी ने 2014 से 2023 के दौरान देश विदेश में कई बार यह दोहराया कि ₹पिछले 70 सालों में भारत में कुछ खास नहीं हुआ₹, ₹ पहले लोग भारत में जन्म लेना दुर्भाग्य मानते थे₹, या ₹70 साल में विकास नहीं हुआ₹। इसी तरह मोदी ने 2022 में रूस में एक कार्यक्रम में भारत के पिछड़ापन, गरीबी या पिछली सरकारों की कमियों पर बात की थी। अमेरिका, यूके या अन्य देशों में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए मोदी ने अक्सर पूर्व सरकारों की कमजोर विदेश नीति₹, उनके घोटालों या उस दौर में विकास की कमी पर जोर दिया है । कांग्रेस भी मोदी की इन बातों को भारत की बदनामी बताती है। कांग्रेस के अनुसार, मोदी ने कम से कम 4-5 बार विदेश में ऐसा कहा कि कांग्रेस शासन में भारत को दुनिया ने गंभीरता से नहीं लिया या ₹पिछले शासकों ने देश को कमजोर बनाया₹ आदि । कांग्रेस इसे भारत और भारतीयों खास तौर से पिछली पीढ़ियों का अपमान मानती है, क्योंकि यह कांग्रेस के शासन काल को नकारात्मक रूप से पेश करता है। राहुल गांधी ने 2023 में लंदन में कहा भी था कि मोदी खुद विदेश में भारत को बदनाम करते हैं, क्योंकि वे हर भारतीय, उनके माता-पिता और दादा-दादी का अपमान करते हैं। ऐसे में यह समझना भी जरूरी है कि दरअसल सत्ता व विपक्ष के उपरोक्त आरोपों प्रत्यारोपों से ही देश की बदनामी होती है या फिर इसतरह के आरोप प्रत्यारोप ही एक दूसरे नेताओं व उनके दलों को नीचा दिखाने व उन्हें जनता में बदनाम करने जैसा एक षड्यंत्र मात्र है ? या फिर वास्तव में जनता को इस तरह की बहस में उलझाकर उन वास्तविक समस्याओं व विषयों पर पर्दा डालने का प्रयास है जिससे हकीकत में देश की बदनामी होती है ? क्या गलत कहते है राहुल गांधी कि चुनाव आयोग संदिग्ध है ? वे चुनाव आयोग सामने कितने सबूत पेश कर चुके जिनका कोई जवाब नहीं आया ? क्या देश के अनेक महत्वपूर्ण संस्थानों व संसाधनों पर अडानी का कब्जा नहीं होता जा रहा ? क्या सरकारी संस्थाओं का दुरुपयोग विपक्ष को परेशान करने के लिये नहीं किया जा रहा ? जब देश में मॉब लिंचिंग होती है तो क्या देश की बदनामी नहीं होती? देश में सत्तारूढ़ दल की ओर से मंत्री व मुख्यमंत्री स्तर के लोग खुले आम साम्प्रदायिकता फैलाने वाली बातें कर ओछी राजनीति करते हैं तो क्या देश की बदनामी नहीं होती ? देश की राजनीति को संविधान से अलग हटकर सांप्रदायिकता के रंग में चलाने के प्रयास क्या देश की बदनामी का कारण नहीं? कितने लुटेरे जिनमें अधिकांश गुजराती,देश की अरबों रुपये लूटकर विदेशों में बैठे हैं क्या यह बदनामी की वजह नहीं ? देश के सर्वोच्च धर्माधिकारी शंकराचार्य जी को व उनके सहयोगियों को संगम तट पर मारा पीटा गया क्या वह देश की बदनामी की वजह नहीं ? नकली डिग्री धारक लोग सत्ता में सर्वोच्च पदों पर बैठे हों,यह बदनामी की बात नहीं? संसद विधानसभा व मंत्रिमंडल में भ्रष्ट,बलात्कारियों व अन्य अपराधियों का शामिल होना क्या बदनामी की बात नहीं? गाँधी के हत्यारों का महिमामंडन क्या देश की बदनामी नहीं? सत्ता द्वारा बलात्कारियों व अपराधियों को संरक्षण क्या बदनामी की वजह नहीं? बड़ा आश्चर्य है कि देश की बदनामी इबारत लिखने वालों को ही देश की बदनामी का दर सताता रहता है?

अमेरिका द्वारा ईरान का भया दोहन

संजीव ठाकुर

अमेरिका और ईरान के बीच गत कुछ महीनों में तनाव एक नए शिखर पर पहुँच गया है। जिसमें न केवल कूटनीतिक, वाणिज्यिक दबाव बल्कि विस्तृत सैन्य तैयारियों और खुले रूप से युद्ध की धमकियाँ भी शामिल हैं। पिछले कई महीनों की घटनाओं से यह स्पष्ट नजरिया सामने आया। है कि यह केवल रीजनल तनाव नहीं रहा बल्कि वैश्विक राजनीति का एक प्रमुख केन्द्र बन गया है। अमेरिका अभी भी आर्थिक,सामरिक एवं राजनीतिक तौर पर शक्तिशाली राष्ट्र है और आर्थिक रूप से अमेरिका ने ईरान पर बड़े प्रतिबंध लगाए हुए हैं, जिसमें तेल निर्यात और वित्तीय लेन-देन को रोकने के साथ-साथ ईरान के सहयोगी देशों और संस्थाओं पर भी अतिरिक्त टैक्स तथा दंडात्मक कार्रवाई शामिल है। जिससे एजेंसी डेटा बताते हैं कि ईरान की निर्यात-आय सीमित हो रही है, जिससे व्यापक आर्थिक कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि यह प्रतिबंध और दबाव ईरान के न्यूक्लियर कार्यक्रम और क्षेत्रीय समर्थित आतंकवाद को रोकने के उद्देश्य से हैं, लेकिन ईरानी नेतृत्व इसे अपने संप्रभुत अधिकारों पर आक्रमण मानता है।

सैन्य दृष्टि से, अमेरिका ने मध्य पूर्व में अपनी मौजूदगी बढ़ा दी है और तैनात नौसेना बलों को बड़ा आकार दे दिया है ट्रंप ने बयान दिया है कि यह बेड़ा उस से भी बड़ा है जो उसने वेनेजुएला पर उसकी कार्रवाई से पहले तैनात किया था, और यह बल अब्राहम लिंकन जैसे युद्धपोतों के साथ समुद्री और वायु समूहों को शामिल करता है। अमेरिका का यह बल निर्दिष्ट मिशन के लिये तैयार, इच्छुक और सक्षम बताया जा रहा है और ट्रंप इसे ईरान को बातचीत की मेज पर लाने के लिये दबाव का हिस्सा मानते हैं, यह कहते हुए कि हम उम्मीद करते हैं कि ईरान सौदा करना चाहेगा। अमेरिका के सभी विकल्प खुले रहने की बात करने से यह संकेत भी मिलता है कि सैन्य हमले की संभावना को पूरी तरह से खारिज नहीं किया जा रहा है। ईरान ने जवाब में अपनी सैन्य तैयारियाँ तेज कर रखी हैं, जिसमें रिपोर्टें बताती हैं कि उसने हजारों बैलिस्टिक मिसाइलें तैनात की हैं और अपनी क्षमता को बढ़ाया है, साथ ही यह कहा है कि किसी भी हमले का उत्तर तुरंत और अप्रत्याशित रूप से दिया जाएगा। इरानी नेतृत्व ने युद्ध नहीं चाहने का दावा किया है, लेकिन सजग चेतावनी दी है कि हम देश को युद्ध की राह पर नहीं ले जाना चाहते और आरोप लगाया है कि अमेरिका ईरान को निगल जाना चाहता है, जो तनाव को भावनात्मक रूप से और बढ़ाता है। हालांकि कुछ विश्लेषक और अमेरिका के वरिष्ठ अधिकारी यह मानते हैं कि सैन्य हमले की संभावना एक बार तय जैसे दृष्टिकोण में पहुँच चुकी है और यह समय की बात है कि हमला कब होगा, न कि क्या होगा, जिससे युद्ध की तैयारी का माहौल और गहराता जा रहा है। इसी बीच ईरान के भीतर भी व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए हैं, जिनमें सैकड़ों लोगों की मौत की खबरें आईं हैं और यह स्थिति आंतरिक असंतोष तथा अमेरिका-के खिलाफ रुख को एक साथ बढ़ा रही कूटनीतिक रूप से, ताजा सूचनाओं के अनुसार ईरानी अधिकारियों ने कहा है कि वे अमेरिका के साथ एक न्यायसंगत बातचीत के लिये तैयार हैं, बशर्ते वह धमकियों के साये में न हो।, शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों ने संकेत दिया है कि बातचीत के आयोजन के लिये प्रगति हो रही है। यह दशार्ता है कि खुले युद्ध के साथ-साथ कूटनीतिक प्रयास भी चल रहे हैं। अरब देश, तुर्की और अन्य क्षेत्रीय शक्तियाँ भी संघर्ष को रोकने के लिये सक्रिय मध्यस्थता कर रहे हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि किसी भी बड़े खुला युद्ध का प्रभाव केवल अमेरिका और ईरान तक सीमित नहीं रहेगा।

यदि हम अमेरिका के सैन्य तैनाती और आर्थिक दबाव की तुलना वेनेजुएला से करें, तो स्पष्ट रूप से अमेरिका ने पहले वेनेजुएला के खिलाफ ऑपरेशन सदर्न स्पियर जैसे अभियान में नौसेना तथा सैन्य बल का इस्तेमाल किया था, जिसमें राष्ट्रपति मादुरो को पकड़ने और शासन को बदलने की कोशिश की गई थी, जिसमें कूटनीतिक विवाद और अंतरराष्ट्रीय आलोचना भी उत्पन्न हुई थी। ट्रंप के बयान के अनुसार, ईरान के लिये जो सैन्य समूह भेजा जा रहा है वह उससे भी बड़ा है, जो संकेत देता है कि अमेरिकी प्रशासन इसे वेनेजुएला की तरह एक सीमित राजनैतिक,सैन्य ऑपरेशन से भी आगे देख रहा है।

लेकिन यह भी ध्यान देने योग्य है कि ट्रंप ने खुले तौर पर कहा है कि वे चाहते हैं ईरान बातचीत करे और यह कि हम युद्ध नहीं चाहते, जैसा कि कुछ मीडिया रिपोर्टों ने उद्धृत किया है। ट्रंप की इस दोहरे रणनीति को कुछ विश्लेषक ब्रिंकमैनशिप नीति कह रहे हैं, जहां खुला युद्ध अंतिम विकल्प रखा जाता है पर बातचीत को भी कायम रखा जाता है।

यहाँ यह समझना जरूरी है कि ईरान जैसे क्षेत्रीय शक्ति पर अमेरिका का दबाव केवल सीधा सैन्य संघर्ष नहीं बल्कि व्यापक आर्थिक प्रतिबंध, वैश्विक कठोर राजनैतिक दबाव तथा सैन्य रणनीतिक तैयारियों का संयोजन है। ईरान भी केवल कूटनीतिक रूप से नहीं बल्कि सामरिक रूप से भी तैयार दिख रहा है। मिसाइल कार्यक्रम, बलों की तैनाती, और अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया रूस और चीन जैसे देशों द्वारा कभी-कभी समर्थन का संकेत – यह संकेत देते हैं कि– यानी बातचीत को युद्ध की कगार पर ले जाकर समझौता करने की ईरान अकेला नहीं है, और एक सीधा युद्ध बहुत खतरनाक और व्यापक बन सकता है।

वेनेजुएला की तुलना में ईरान अन्तरराष्ट्रीय महत्व और रणनीतिक स्थितियों की वजह से कहीं बड़ा मामला है। वेनेजुएला में अमेरिका ने मुख्यतः दक्षिण अमेरिका में राजनीतिक नियंत्रण और ऊर्जा साधनों पर प्रभाव के लिये कदम उठाये, जबकि ईरान मध्य पूर्व में तेल मार्ग, न्यूक्लियर कार्यक्रम तथा सामरिक प्रभाव के केन्द्र में है। अगर ट्रंप ईरान को वेनेजुएला की तरह कब्जे या शासन परिवर्तन के लिये ले जाने की कोशिश करे, तो यह केवल एक राष्ट्र का सैनिक अधिपत्य नहीं बल्कि एक वैश्विक प्रतिद्वंदी शक्ति को नियंत्रित करने का प्रयास होगा, जिसका परिणाम क्षेत्रीय युद्ध, तेल की वैश्विक कीमतों में उछाल, और विश्व राजनीति में और गहरी विभाजन की स्थिति हो सकता है। इस समय ताजा हालात यह संकेत देते हैं कि अमेरिका पूरी सैन्य तैयारी के साथ खड़ा है, ईरान भी कठोर प्रतिक्रिया के लिये तैयार है, और कूटनीतिक प्रयास संघर्ष को नियंत्रण में रखने के लिये जारी हैं ।लेकिन खुला युद्ध अभी टल नहीं पाया है और दोनों पक्षों की कठिन स्थिति वैश्विक राजनीति के लिये बेहद महत्वपूर्ण है। क्या ट्रंप ईरान को वेनेजुएला की तरह अपने अधिपत्य में ले सकता है? वर्तमान संकेत यह दिखाते हैं कि सैन्य नियंत्रण के बजाय अमेरिका अधिकतर दबाव और बातचीत के द्वारा ही परिणाम चाहता है, पर यह भी स्पष्ट है कि अगर ईरान बातचीत में मुख्य शर्तें नहीं मानता तो सैन्य विकल्पों को पूरी तरह से खारिज नहीं किया गया है और यह सम्भावना वैश्विक राजनीति के लिये गंभीर चिंता का विषय बनी हुई है।

सामाजिक परिवर्तन से समृद्धि देश की पहचान

-विक्रम दयाल

परिवर्तन प्रकृति की देन है। परिवर्तन एक प्राकृतिक और आवश्यक प्रक्रिया है जो जीवन के हर पहलू में होती है। यह एक निरंतर प्रक्रिया है जो समय के साथ साथ होती रहती है। परिवर्तन के बिना, जीवन ठहर जाता है और प्रगति रुक जाती है। परिवर्तन का प्राकृतिक स्वरूपः परिवर्तन का प्राकृतिक स्वरूप कई तरह से देखा जा सकता है जैसे किः प्रकृति में परिवर्तनः प्रकृति में परिवर्तन एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। यह मौसम के बदलाव, पेड़, पौधों का विकास, और नदियों के प्रवाह में देखा जा सकता है। जीवन चक्रः जीवन चक्र एक प्राकृतिक प्रक्रिया है, जो जन्म, और मृत्यु के चरणों में होती है। यह परिवर्तन का एक प्राकृतिक स्वरूप है जो हर जीवित प्राणी में होता है। विकास और प्रगतिः विकास और प्रगति एक प्राकृतिक प्रक्रिया है जो समय के साथ होती रहती है। यह परिवर्तन दा एक प्राकृतिक स्वरूप है जो हर क्षेत्र में होता है। परिवर्तन के कई प्रकार है, जैसे किः- भौतिक परिवर्तनः भौतिक परिवर्तन एक प्रकार का परिवर्तन है जो हमारे आसपास के वातावरण में होता है। यह मौसमों के बदलाव, पेड़ों के विकास, और नदियों के प्रवाह मैं देखा जा सकता है। सामाजिक परिवर्तनः सामाजिक परिवर्तन एक प्रकार का परिवर्तन है जो हमारे समाज मैं होता है। यह नये विचारों, नये तरीकों और नये अवसरों को जन्म देता है। सामाजिक परिवर्तन एक देश की प्रगति और विकास का एक महत्वपूर्ण पहलू है। यह परिवर्तन समाज के विभिन्न क्षेत्रों में हो सकता है, जैसे की शिक्षा, स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, और राजनीति। सामाजिक परिवर्तन के माध्यम से एक देश अपनी समृद्धि और पहचान को बढ़ा सकता है। सामाजिक परिवर्तन का महत्वः सामाजिक परिवर्तन एक देश की प्रगति के लिए आवश्यक है। यह परिवर्तन समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सुधार ला सकता है। जैसे किः- शिक्षाः सामाजिक परिवर्तन शिक्षा के क्षेत्र में सुधार ला सकता है, जैसे कि नये स्कूल और कालेजों कि स्थापना, शिक्षा कि गुणवत्ता में सुधार, और शिक्षा के अवसरों में वृद्धि। इससे देश के नागरिकों को बेहतर शिक्षा मिलती है, जिससे वे अपने जीवन को बेहतर बना सकते हैं। स्वास्थ्यः सामाजिक परिवर्तन स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार ला सकता है, जैसे कि नये अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों की स्थापना, स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार, और स्वास्थ्य के अवसरों में वृद्धि। इससे देश के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवायें मिलती हैं , जिससे वे स्वस्थ्य जीवन जी सकते हैं। अर्थव्यवस्थाः सामाजिक परिवर्तन अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में सुधार ला सकता है, जैसे कि नये उद्योगों कि स्थापना, रोजगार के अवसर में वृद्धि, और आर्थिक विकास। इससे देश कि अर्थव्यवस्था मजबूत होती है, जिससे देश के नागरिकों को बेहतर जीवन का स्तर मिलता है। राजनीतिः सामाजिक परिवर्तन राजनीति के क्षेत्र में सुधार ला सकता है, जैसे कि नए कानून की स्थापना, सरकारी नीतियों में सुधार, कर नागरिकों के अधिकाकारों की रक्षा। इससे देश का लोकतंत्र मजबूत होता है, जिससे नागरिकों को अपने अधिकारों का उपयोग करने का मौका मिलता है। सामाजिक परिवर्तन के उदाहरण हैंः जैसे किझभारत का स्वतंत्रता संग्रामः भारत का स्वतंत्रता संग्राम एक सामाजिक परिवर्तन का उदाहरण है, जिसने देश को स्वतंत्रता दिलाई और एक नए युग की शुरूआत की। इस संग्राम में कई लोगों ने अपना जीवन दिया, जिससे देश को आजादी मिली। महिला सशक्तिकरणः महिला सशक्तिकरण एक सामाजिक परिवर्तन का उदाहरण है, जिसने महिलाओं को समान अधिकार और अवसर प्रदान किए। इससे महिलाओं को अपने जीवन को बेहतर बनाने का मौका मिला। शिक्षा का प्रसारः शिक्षा का प्रसार एक सामाजिक परिवर्तन का उदाहरण है, जिसने शिक्षा को सभी के लिए उपलब्ध कराया और देश की प्रगति मैं योगदान दिया। इससे देश के नागरिकों को बेहतर शिक्षा मिली, जिससे वे अपने जीवन को बेहतर बना सकते हैं। सामाजिक परिवर्तन के आवश्यक कदमः सामाजिक परिवर्तन के लिए कई कदम उठाये जा सकते हैं। जैसे कि—जागरूकता फैलानाः सामाजिक परिवर्तन के लिए जागरूकता फैलाना आवश्यक है इससे देश के लोगों को सामाजिक परिवर्तन के महत्व के बारे में पता चलता है। शिक्षा का प्रसारः शिक्षा का प्रसार सामाजिक परिवर्तन से लिए आवश्यक है। इससे लोगों को बेहतर शिक्षा मिलती है, जिससे वे अपने जीवन को बेहतर बना सकते हैं। सरकारी नीतियों में सुधारः सरकारी नीतियों में सुधार सामाजिक परिवर्तन के लिए आवश्यक है। इससे देश में लोकतंत्र मजबूत होता है, जिससे नागरिकों को अपने अधिकारों का उपयोग करने का मौका मिलता है। इसलिए सामाजिक परिवर्तन देश की प्रगति और विकास को लिए आवश्यक है।

लोकस्वामी मुंबई संस्करण के संपादक राकेशमणि तिवारी को उत्कृष्ट पत्रकारिता सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पत्रकारिता जब समाज की आवाज बनती है, तब वह केवल पेशा ही नहीं, बल्कि सेवा का भी स्वरूप ले लेती है। इसी भावना को साकार करता एक भावपूर्ण क्षण मुंबई के मलाड (पूर्व) स्थित आर.के. कॉलेज में तब देखने को मिला, जब 'महापण्डित राहुल सांकृत्यायन फाउंडेशन' एवं 'अखिल ब्रह्म विज्ञान संस्थान' के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सम्मान समारोह एवं कथा-कथन कार्यक्रम में दैनिक समूह समाचार पत्र लोकस्वामी के मुंबई संस्करण के संपादक वरिष्ठ पत्रकार राकेशमणि तिवारी को उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए सम्मानित किया गया। इस दौरान समाज सेवा, साहित्य और बौद्धिक जगत की कई प्रतिष्ठित विभूतियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। विचार, संवेदना और शब्दों की साधना को समर्पित आयोजन में जब श्री तिवारी का नाम सम्मान के लिए पुकारा गया, तो सभागार तालियों की गूंज से भर उठा। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि महापण्डित राहुल सांकृत्यायन की पौत्रवधू की उपस्थिति ने और सशक्त बना दिया। उनके सानिध्य ने वैचारिक विरासत और पत्रकारिता के बीच एक भावनात्मक सेतु का निर्माण किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ग्लोबल बिजनेस समिट 2026 में मुख्य वक्ता होंगे

मुंबई। भारत की अभूतपूर्व आर्थिक प्रगति और बौद्धिक नेतृत्व के शिल्पकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ग्लोबल बिजनेस समिट 2026 में मुख्य भाषण देंगे। यह शिखर सम्मेलन 13 और 14 फरवरी को नई दिल्ली स्थित होटल ताज पैलेस में आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बीते 11 वर्षों में भारत ने उल्लेखनीय आर्थिक उपलब्धियाँ हासिल की हैं। भारत छह पायदान की छलांग लगाकर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और पिछले वर्ष जापान को पीछे छोड़ चुका है। अपेक्षाकृत कम समय में यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, और भारत 2030 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। ऐसे महत्वपूर्ण वैश्विक आर्थिक परिवेश में ग्लोबल बिजनेस समिट 2026 में प्रधानमंत्री का संबोधन भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका और उसे विश्व का नवाचार केंद्र बनाने की दिशा में एक स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करने की संभावना रखता है, विशेषकर ऐसे समय में जब स्वदेशी विनिर्माण और तकनीकी क्षमताएँ निरंतर सशक्त हो रही हैं। ग्लोबल बिजनेस समिट ने स्वयं को दक्षिण एशिया के एक प्रमुख विचार नेतृत्व मंच के रूप में स्थापित किया है। इस वर्ष की थीम एक दशक विघटन का, एक सदी परिवर्तन की है, जिसके अंतर्गत बीते दशक में आए अभूतपूर्व बदलावों—भू-राजनीति, जलवायु, पूंजी और प्रौद्योगिकी में हुए व्यापक परिवर्तन—पर गहन और सार्थक चर्चाएँ होने की उम्मीद है। वैश्विक नेताओं, प्रमुख नीति-निर्माताओं और शीर्ष कॉर्पोरेट सीईओ की उपस्थिति में यह शिखर सम्मेलन भारत को ज्ञान-आधारित और नवाचार-प्रेरित अर्थव्यवस्था बनाने के लिए व्यावहारिक और प्रभावी रास्तों की खोज का अवसर प्रदान करेगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने समावेशी और सतत विकास की दिशा में एक सशक्त मार्ग अपनाया है। मेक इन इंडिया जैसी पहल ने घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन दिया है और इलेक्ट्रॉनिक्स, नवीकरणीय ऊर्जा सहित कई क्षेत्रों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को आकर्षित किया है। डिजिटल इंडिया कार्यक्रम ने देश के तकनीकी परिदृश्य में क्रांतिकारी बदलाव लाते हुए एक मजबूत डिजिटल अर्थव्यवस्था की नींव रखी है, जो आज विश्व की सबसे उन्नत डिजिटल प्रणालियों में से एक मानी जाती है।

नहीं, सॉरी नहीं 15 सिट-अप्स शक्ति कपूर ने सख्त डायरेक्टर टी रामा राव को याद किया

मुंबई/पटना। व्हील ऑफ फॉर्च्यून के आने वाले एपिसोड में, हंसी का माहौल बन जाता है जब शक्ति कपूर अपने फिल्मी दिनों का एक मजेदार किस्सा शेयर करते हैं। इससे होस्ट अक्षय कुमार और दर्शक हंसते-हंसते लोटपोट हो जाते हैं। अक्षय गेम का माहौल बनाते हुए शक्ति से पूछते हैं, शक्ति जी, मुझे पता है आप बहुत सारी फिल्में करते थे। एक बार टी रामा राव के सेट पर पहुंचे थे तब आपसे सिट-अप्स करवाए थे ऐसा कुछ हुआ था? शक्ति अपने खास अंदाज में जवाब देते हैं, रामा राव जी मेरे बहुत करीब थे। लेकिन वह आपकी तरह बहुत अनुशासित इंसान थे। ऐसा कहते हुए शक्ति अक्षय की तरफ इशारा करते हैं। फिर से कहानी शुरू करते हैं। उस घटना को याद करते हुए, शक्ति बताते हैं, 7 बजे बोला तो 7 बजे। मैं 7 बजे के बजाय 7:15 पर पहुंचा। जीनत अमान जी भी आ चुकी थीं। फिर उन्होंने पूछा, शक्ति कहां है? इसके बाद जो होता है, उससे सब हंसने लगते हैं क्योंकि शक्ति उस पल को फिर से दिखाते हैं, रामा राव के सख्त लहजे की नकल करते हुए। वह आगे कहते हैं, मैंने सॉरी बोला, तो उन्होंने कहा, नहीं सॉरी नहीं 15 बार सिट-अप्स! स्टूडियो में हंसी गूंज उठती है क्योंकि शक्ति की मजेदार कहानी माहौल को खुशनुमा बना देती है, और यह पल व्हील ऑफ फॉर्च्यून के सबसे मजेदार हाइलाइट्स में से एक बन जाता है।

युवा जदयू द्वारा छात्र समागम का आयोजन, सैकड़ों युवाओं ने थामा जदयू का दामन

मुंबई/नई दिल्ली। रविवार को जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय कार्यालय सभागार में युवा जदयू द्वारा एक भव्य छात्र समागम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में दिल्ली प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों से आए सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समागम के दौरान मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के विचारों, सुशासन, सामाजिक न्याय और युवा केंद्रित नीतियों से प्रेरित होकर बड़ी संख्या में युवाओं ने जनता दल (यूनाइटेड) की सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता ग्रहण करते समय उपस्थित युवाओं ने समाज के जरूरतमंद वर्गों की सेवा, ईमानदारी और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पित रहने का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दिल्ली जदयू प्रदेश अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र कुमार ने कहा कि युवा शक्ति ही किसी भी राजनीतिक आंदोलन की असली ऊर्जा होती है और जदयू युवाओं को नेतृत्व के अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं युवा जदयू दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष श्री ब्रज किशोर ने छात्रों से संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और सामाजिक सरोकारों से जुड़कर कार्य करने का आह्वान किया।

जिला परिषद पालघर के अधिकारी-कर्मचारियों की खेल प्रतियोगिताएं उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिला परिषद पालघर के अधिकारी एवं कर्मचारियों के लिए आयोजित खेल प्रतियोगिताएं शनिवार 31 जनवरी को अत्यंत उत्साह व उमंग के वातावरण में संपन्न हुईं। इन प्रतियोगिताओं को सभी विभागों से जबरदस्त और उत्स्फूर्त प्रतिसाद मिला। प्रतियोगिताओं का उद्घाटन मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी सचिन कवठे, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी, जिला कार्यक्रम अधिकारी (महिला एवं बाल विकास) व्यंकटराव हुंडेकर, सभी विभाग प्रमुख तथा समूह विकास अधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के उप महाप्रबंधक मुकेश कुमार बब्बर एवं सहायक महाप्रबंधक सावन शिव भी उपस्थित थे। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने इन खेल प्रतियोगिताओं के लिए वीडियो ग्राफी प्रायोजन के साथ-साथ खिलाड़ियों की किट का भी प्रायोजन किया है, जिसमें शर्ट व ट्राउजर शामिल हैं। प्रतियोगिताओं की शुरूआत जिला परिषद मुख्यालय और मोखाडा तहसील के बीच खेले गये कबड्डी मुकाबले से हुई। जिला परिषद मुख्यालय सहित जिले के सभी आठ तहसीलों के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने इन प्रतियोगिताओं में पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। तीन दिनों तक चलने वाली इन प्रतियोगिताओं में खो-खो, कबड्डी, क्रिकेट, गोला फेंक, थाली फेंक, म्यूजिकल चेयर, कैरम, बैडमिंटन, वॉलीबॉल, दौड़, रिले रेस, रंगोली

सहित कई खेलों का आयोजन किया गया है। इन खेलों के माध्यम से कर्मचारियों में खेल भावना, टीम वर्क और सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ है। सोमवार 2 फरवरी को दोपहर में विजेता टीमों और खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरण किया जायेगा, वहीं शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी रखा गया है। इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने सोनोपंत दांडेकर महाविद्यालय द्वारा खेल प्रतियोगिताओं के लिए मैदान उपलब्ध कराने पर आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि एक ही स्थान पर सभी खेलों के आयोजन से खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिलीं। साथ ही, यह आयोजन कर्मचारियों के दैनिक कार्य के तनाव से राहत देने वाला सकारात्मक विरंगुला है, जिससे स्वास्थ्य, मनोबल और कार्यक्षमता में वृद्धि होती है।

इसके अलावा, वाडा तहसील के एक खिलाड़ी छात्र से मुलाकात के दौरान यह बात सामने आई कि उसके पास खेलने के लिए उचित जूते और कपड़े उपलब्ध नहीं हैं। इस पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने उस छात्र को नए स्पोर्ट्स शूज और आवश्यक खेल सामग्री प्रदान की, जिससे उसके खेल के प्रति उत्साह और अधिक बढ़ गया।

उत्तर मध्य मुंबई जिला कांग्रेस की ओर से श्री संत रोहिदास महाराज की जयंती मनाई गई

मुंबई (उत्तरशक्ति)। उत्तर मध्य मुंबई जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से लोकप्रिय सांसद और मुंबई कांग्रेस की अध्यक्ष श्रीमती वर्षा ताई गायकवाड़ के नेतृत्व में मुंबई कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के मुंबई अध्यक्ष सुभाष भालेराव के माध्यम से आज, 1 फरवरी को श्री संत रोहिदास महाराज जयंती बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर सेल कॉलोनी डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर चौक से भव्य जुलूस निकाला गया। यह जुलूस आदर्श नगर, ठक्कर बप्पा कॉलोनी कुर्ला सिग्नल होते हुए श्री संत रोहिदास महाराज के चौक पर समाप्त हुआ।जयंती के इस उत्सव में प्रमुख रूप से संगीता सुभाष भालेराव, रविंद्र कुरडिया, बाबासाहेब कांबले, गौतम पाइकराव,सनी कांबले, सुरेश येडे पार्टी के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता, श्री संत रोहिदास महाराज उत्सव समिति के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मरोल में पार्षद रितेश राय की पहल पर सफाई के काम में जोरदार एक्शन

म्युनिसिपल और ट्रैफिक पुलिस ने अनधिकृत फेरीवालों और पार्किंग के खिलाफ एक्शन लिया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अंधेरी ईस्ट विधानसभा सीट के मरोल वार्ड नंबर 86 के नए चुने गए शिवसेना पार्षद रितेश कमलेश राय ने विभाग में नागरिक समस्याओं को हल करने की पहल की है। पार्षदों (नगरसेवक) का कार्यकाल खत्म होने की वजह से पिछले चार सालों से मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में एडमिनिस्ट्रेटिव कामों की वजह से मुंबईकरों को कई तरह की सुविधाएं देने में दिक्कत आ रही थी। अब, हाल ही में नए पार्षदों (नगरसेवक) के चुनाव के बाद से ही नागरिक कामों को रिस्पॉन्स मिलना शुरू हो गया है। मरोल मिलिट्री रोड जंक्शन से लेकर मरोल भवन तक, मरोल मकवाना रोड से लेकर अंधेरी कुर्ला रोड तक, फेरीवालों ने सड़क के दोनों तरफ गैर-कानूनी तरीके से कब्जा कर लिया है और फुटपाथ का

इस्तेमाल कमर्शियल कामों के लिए कर रहे हैं। इन सभी जगहों पर फेरीवाले बड़ी मात्रा में गॅस और सिलेंडर का इस्तेमाल कर रहे हैं। इस वजह से स्कूल के छात्र और आम लोग फुटपाथ पर नहीं चल पा रहे हैं। साथ ही, सड़क के दोनों तरफ गैर-कानूनी तरीके से बसें, ट्रक और चार पहिया वाहन पार्क किए जा रहे हैं। जिससे सड़क पर ट्रैफिक जाम हो रहा है। साथ ही, कई जगहों पर बदबू और गंदगी की स्थिति पैदा हो गई थी। मरोल के नए चुने गए नगरसेवक रितेश राय ने नगर निगम के पूर्वी विभाग के असिस्टेंट कमिश्नर, टक्र्छ पुलिस स्टेशन और ट्रैफिक एंड कंट्रोल डिपार्टमेंट के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर से शिकायत की थी और अपने डिपार्टमेंट की समस्याओं को हल करने के लिए मिलकर कार्रवाई करने की मांग की थी। इस पर ध्यान देते हुए, संबंधित डिपार्टमेंट ने मिलकर कार्रवाई की है और सड़कों को साफ-सुथरा बनाया है। गैर कानूनी तरिकेसे चालने वाले फेरीवालों के खिलाफ कार्रवाई की गई है और अनधिकृत पार्किंग हटाने का काम किया गया है। नगरसेवक रितेश राय के इस बड़े कदम से वसंत ओएसिस सोसायटी समेत इलाके के हजारों नागरिकों को राहत मिली है और यहां के सदस्यों ने इस कार्रवाई पर खुशी जताई है। इस कारवाई पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व पार्षद कमलेश राय ने कहा कि पिछले चार साल से पार्षद न होने के कारण मरोल डिवीजन (विभाग) के लोगों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ा था, लेकिन जैसे ही रितेश राय पार्षद चुने गए, उन्होंने इलाके की समस्याओं को हल करना और नागरिक सुविधाएं देने का काम शुरू कर दिया है।

राष्ट्रीय फील्ड आर्चरी चैंपियनशिप में पलक पाटिल ने रजत पदक हासिल कर किया भिवंडी का नाम रोशन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। तालुका के अंबाड़ी निवासी छात्रा पलक जनार्दन पाटील ने अलिबाग में 22 से 26 जनवरी के दौरान आयोजित राष्ट्रीय फील्ड आर्चरी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किया है। पलक ने यह सफलता अपनी स्कूल टीम के साथ प्राप्त की। वाडा स्थित लिटिल एंजल्स इंग्लिश मीडियम स्कूल की टीम ने इस प्रतियोगिता में महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व किया। स्कूल के विद्यार्थियों ने विभिन्न आयु वर्गों में भाग लेते हुए स्वर्ण और रजत पदक अपने नाम किए। बेअरबो लकड़ी धनुधारी स्पर्धा में विद्यार्थियों ने व्यक्तिगत और टीम स्तर पर उल्लेखनीय प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों की टीमों ने सहभाग लिया।

17 वर्ष से कम आयु (बेअरबो लकड़ी) वर्ग में सोहम छाबिदास चरसकर ने व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता। इसी आयु वर्ग की टीम स्पर्धा में सोहम छाबिदास चरसकर, वीर संजय पाटील और तनिष्क संदीप गणोरे ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। 14 वर्ष से कम आयु की बालिका टीम में पलक जनार्दन पाटील, देवश्री अक्षय भोईर और याद्निका अतुल तारे ने रजत पदक अर्जित किया। इन विद्यार्थियों ने अपने अभिभावकों के सहयोग से स्कूल समय के दौरान और बाद में लगभग एक वर्ष तक नियमित अभ्यास किया। उन्हें स्कूल के शिक्षक एवं धनुधारी प्रशिक्षक शैलेश भंसाली का मार्गदर्शन मिला। इस उपलब्धि पर स्कूल के चेयरमैन देवेंद्र भानुशाली और प्रधानाचार्या सौ. सुमन मैनी ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं।

भिवंडी में आवारा कुत्ते के काटने से 12 वर्षीय बच्चे की इलाज के दौरान मौत

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी शहर में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले एक वर्ष में जहां 11 हजार 37 लोगों को कुत्तों ने काटा है, वहीं अब एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई है। आवारा कुत्ते के काटने से घायल 12 वर्षीय बच्चे की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृत बच्चे का नाम हामिद सद्दाम खान बताया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शहर के ईदगाह परिसर में 10 जनवरी को घर के बाहर खेलते समय एक आवारा कुत्ते ने हामिद पर हमला कर उसके चेहरे और गर्दन के पास काट लिया था। इसके बाद उसे स्व. इंदिरा गांधी स्मृति उपजिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार दिया गया। बाद में तबीयत बिगड़ने पर 27 जनवरी को उसे आगे के इलाज के लिए कस्तूरबा अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान 31

जनवरी को उसकी मौत हो गई। इस घटना से पूरे परिसर में शोक की लहर है और एक बार फिर भिवंडी में आवारा कुत्तों की गंभीर समस्या सामने आ गई है। उल्लेखनीय है कि पालिका का श्वान नसबंदी केंद्र पिछले 12 वर्षों से बंद था, जिसे पिछले वर्ष पुनः शुरू किया गया। इसके बावजूद शहर में आवारा कुत्तों का आतंक कम नहीं हुआ है। केवल जनवरी महीने में ही 1,062 लोगों को कुत्तों ने काटा है। इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए विधायक रईस शेख ने कहा कि भिवंडी जैसे बड़े शहर में आवारा कुत्तों की समस्या अत्यंत गंभीर है। उपजिला अस्पताल में समय पर एंटी-रेबीज वैक्सीन उपलब्ध न होने के कारण यह स्थिति बनी है और एक मासूम को अपनी जान गंवानी पड़ी है। उन्होंने इस गंभीर लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग शासन से करने की बात कही है। वहीं स्व. इंदिरा गांधी स्मृति उपजिला अस्पताल की अधीक्षक डॉ. माधवी पाडरे ने बताया कि हामिद खान को समय पर अस्पताल में भर्ती कर तीनों इंजेक्शन डोज नियमानुसार दिए गए थे। 27 जनवरी को उसे सांस लेने में तकलीफ होने पर परिजन उसे अस्पताल लाए थे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद आगे के इलाज के लिए कस्तूरबा अस्पताल भेजा गया। वहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

पालघर में अरुणोदय सिकलसेल एनीमिया विशेष अभियान की प्रगति की समीक्षा

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले में सिकलसेल बीमारी के उन्मूलन हेतु संचालित अरुणोदय सिकलसेल एनीमिया विशेष अभियान की प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा के लिए राज्य के स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश अबीटकर के विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) डॉ. आडकेकर ने मोझहांडा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर उपकेंद्र, गोंदे बु. का दौरा किया।

इस अवसर पर अतिरिक्त जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शशिकांत सालुंके, मोखाडा तहसील स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. चत्तर सहित संबंधित अधिकारी एवं स्वास्थ्यकर्मी

उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान डॉ. आडकेकर ने अरुणोदय सिकलसेल एनीमिया विशेष अभियान सहित जिले में चल रहे सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यों पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने 0 से 40 वर्ष आयु वर्ग के प्रत्येक नागरिक की सिकलसेल एनीमिया जांच सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए अभियान के प्रभावी और व्यापक क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया। अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, पालघर जिले में अब तक इस अभियान के अंतर्गत 2,33,390 नागरिकों की सिकलसेल जांच की जा चुकी है। इनमें पाये गये पॉजिटिव मामलों के नमूनों की बीपीएचयू एवं एचएलएल प्रयोगशालाओं के माध्यम से जांच कर सटीक निदान किया जा रहा है। साथ ही, संबंधित मरीजों को सिकलसेल कार्ड, आवश्यक दवाइयां तथा उपचार सेवाएं नियमित रूप से उपलब्ध कराई जा रही हैं।

हिंदू जनजागृति संस्था द्वारा हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम आयोजित, सैकड़ों महिलाओं ने की सहभागिता

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के बोईसर शहर में हिंदू जनजागृति संस्था द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य सार्वजनिक हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

यह पारंपरिक एवं सांस्कृतिक आयोजन रुपरजत पार्क, बेटेगांव में संपन्न हुआ, जिसमें शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आई सैकड़ों महिलाओं ने बड़े उत्साह के साथ सहभागिता की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारतीय संस्कृति, परंपरागत मूल्यों को सहेजते हुए महिलाओं के बीच आपसी स्नेह, सौहार्द और सामाजिक एकता को सुदृढ़ करना रहा। पूरे आयोजन स्थल पर पारंपरिक वातावरण, उल्लास एवं सांस्कृतिक रंगों की सुंदर छटा देखने को मिली। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में डॉ. जान्हवी पाटील, प्रिंसिपल रेणु सिंह तथा ब्रह्माकुमारीज की जागृति दीदी एवं प्रतिभा दीदी उपस्थित रहीं।अतिथियों ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में महिलाओं को सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास, पारिवारिक संस्कारों और समाज में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर मार्गदर्शन दिया। प्रतिभा दीदी ने आध्यात्मिक दृष्टिकोण से जीवन में शांति, संतुलन व आंतरिक शक्ति बनाए रखने का संदेश दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में हिंदू जनजागृति संस्था की राष्ट्रीय संगठन मंत्री तुलसी छीपा, जिलाध्यक्ष फाल्गुनी पिम्पले, शहर अध्यक्ष सोनू यादव सहित महिला प्रखंड की अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकताओं का विशेष योगदान रहा। सभी कार्यकताओं ने मिलकर व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संभाला। कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार हल्दी-कुमकुम की विधि संपन्न हुई, जिससे महिलाओं में उत्साह और आनंद का वातावरण बना रहा। इस कार्यक्रम में शामिल महिलाओं ने आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के साथ-साथ महिलाओं को एक-दूसरे से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं।

बजट में AYUSH और बायोफार्मा शक्ति को बढ़ावा: हमदर्द लेबोरेटरीज

मुंबई। पारंपरिक और प्रमाण-आधारित स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में 120 वर्षों से अधिक की विरासत रखने वाली हमदर्द लेबोरेटरीज ने AYUSH सेक्टर को लेकर केंद्रीय बजट 2026-27 में किए गए प्रावधानों का स्वागत किया है। कंपनी के अनुसार, बजट में AYUSH इकोसिस्टम को मजबूत करने पर दिया गया फोकस देश में निवारक और समग्र स्वास्थ्य सेवाओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

बजट पर टिप्पणी करते हुए हमदर्द लेबोरेटरीज के चेयरमैन एवं मैनेजिंग ट्रस्टी श्री अब्दुल मजीद ने कहा कि बजट में अ वरल्ढ फामेर्सी और ड्रग टेस्टिंग लैब्स को बेहतर बनाने, कुशल हेल्थ प्रोफेशनल्स की संख्या बढ़ाने और एविडेंस पर आधारित रिसर्च को बढ़ावा देने जैसे कदमों से पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों की गुणवत्ता और विश्वसनीयता को मजबूती मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही, तीन नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थानों की स्थापना को प्रस्ताव पारंपरिक चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक अहम संकेत बताया है।

उन्होंने कहा कि भारत में स्वास्थ्य चुनौतियां तेजी से मधुमेह, कैंसर और ऑटोइम्यून बीमारियों जैसी नॉन-कम्युनिकेबल डिजीज की ओर बढ़ रही हैं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

जिम में तोड़फोड़ के बाद संचालक को पीटा, तीन नामजद समेत 6 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली थाना क्षेत्र के मोहल्ला कालीकुती में शाम लगभग सात बजे गेमिंग जोन सेंटर में गेम्स खेलते समय हुए विवाद ने उग्र रूप धारण कर लिया। एक पक्ष के लोगों ने सेंटर में घुसकर जमकर तोड़फोड़ किया। इस दौरान भगदड़ मच गई।

घटना कुछ इस प्रकार है कि अमित कुमार श्रीवास्तव निवासी हुसैनाबाद थाना लाइन बाजार का सेंटर कालीकुती में स्थित है। शुक्रवार शाम लगभग 7:30 बजे आदित्य सेठ अमरजीत सेठ निवासी आलमगंज थाना कोतवाली और स्वेत कुमार सिंह पुत्र रमाशंकर सिंह निवासी सिविल लाइन रोड कल्यानी टावर थाना लाइन बाजार दोनों बैठकर हार जीत की बाजी लगाकर गेम्स खेल रहे थे। इसी दौरान दोनों के बीच झगड़ा हो गया। जिस पर गेमिंग जोन केंद्र संचालक आनंद श्रीवास्तव ने बीच बचाव किया, जिस पर एक पक्ष नाराज हो गया और उसने फोन करके साथियों को बुला लिया। साथियों ने पहुंचते ही सेन्टर में जमकर तोड़फोड़ किया और संचालक को भी पीट दिया। इस हमलें में संचालक को चोटें भी आई।

घटना की जानकारी होते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और कई लोगों को हीरासत में ले लिया। इस मारपीट की घटना में हुई तोड़फोड़ में गेमिंग जोन केंद्र में लाखों रुपए का नुकसान होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

फिलहाल पुलिस ने संचालक अमित कुमार श्रीवास्तव की तहरीर पर तीन लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर और छह अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। सरेआम हुई इस घटना को लेकर अभी भी क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है।

हम जल्द से जल्द दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना चाहते हैं: अजीत प्रजापति

यह बजट विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने की दिशा में एक मजबूत आधार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय पर जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति के नेतृत्व में बजट प्रस्तुतिकण का लाइव प्रसारण देखा गया उसके उपरान्त एक संगोष्ठी आयोजित की

गई। जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अजीत प्रजापति ने की मुख्य वक्ता के रूप में पूर्व विधायक सुरेन्द्र प्रताप सिंह एवं पूर्व जिलाध्यक्ष हरिश्चन्द्र सिंह और सुशील उपाध्याय जी उपस्थित रहे। सर्वप्रथम पार्टी के पुरोधा पण्डित दीनदयाल उपाध्याय एवं डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया तत्पश्चात वन्दे मातरम का गीत गाया गया। जिला अध्यक्ष अजीत प्रजापति ने कहा कि बुनियादी ढांचे के विकास को गति देने के लिए सरकार ने वित्त वर्ष 2027 के लिए पूंजीगत व्यय का लक्ष्य बढ़ाकर 12 करोड़ रुपये कर दिया है यह बढ़ा हुआ खर्च इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास की गति को बनाए रखने और आर्थिक विकास को सहारा देने के लिए है नवंबर 2025 में रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट के लिए शुरू की गई योजना को विस्तार देते हुए यह कदम उठाया गया है, ताकि चीन जैसे देशों पर आयात निर्भरता कम की जा सके। उन्होंने आगे कहा कि भारत के 140 करोड़ लोग सिर्फ सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होने से संतुष्ट नहीं हैं हम जल्द से जल्द दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना चाहते हैं यह बजट विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने की दिशा में एक मजबूत आधार है यह एक ऐसा अनूठा बजट है जो राजकोषीय घाटे को कम करने, मुद्रास्फीति को नियंत्रण में लाने पर केंद्रित है और इसके साथ ही, इस बजट में उच्च पूंजीगत व्यय और उच्च विकास का संयोजन भी है। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री अमित श्रीवास्तव ने की उक्त अवसर पर पीयूष गुप्ता पंकज मिश्र, संदीप तिवारी, संतोष सिंह, सुनील तिवारी, आमोद सिंह, नरेन्द्र उपाध्याय, अनिल गुप्ता, रागिनी सिंह, आदि उपस्थित रहे।

नगर पालिका परिषद जौनपुर में जन्म प्रमाण पत्र बनवाना बना सजा, भ्रष्टाचार का खुला खेल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पालिका परिषद जौनपुर में जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने की प्रक्रिया अब आम जनता के लिए आसान नहीं, बल्कि एक बड़ी परेशानी और मानसिक उत्पीड़न का कारण बन चुकी है। जिस काम को कुछ दिनों में पूरा होना चाहिए, वह महीनों तक फाइलों में दबा पड़ा है। सबसे गंभीर बात यह है कि सुपरवाइजर और गवाहों की रिपोर्ट लगाने के नाम पर खुलेआम धन उगाही की जा रही है। आरोप है कि यदि कोई व्यक्ति पैसे देने से इनकार करता है तो उसके आवेदन में जानबूझकर कमियां निकाली जाती हैं और उसे बार-बार कार्यालय के चक्कर लगाने को मजबूर किया जाता है। प्राइवेट कर्मचारी की सुस्ती से बढ़ रही फाइलों की लाइन नगर पालिका के जन्म-मृत्यु विभाग में कार्यरत एक प्राइवेट कर्मचारी की लापरवाही और सुस्ती के चलते प्रमाण पत्र लगातार डिले हो रहे हैं। फाइलें लंबित होती जा रही हैं, लेकिन व्यवस्था सुधारने की बजाय आम जनता को परेशान किया जा रहा है। सरकारी प्रक्रिया को बनाया गया कमाई का जरिया, यह बेहद चिंताजनक है कि जन्म प्रमाण पत्र जैसी सरल और जरूरी प्रक्रिया को इतना जटिल बना दिया गया है कि आम आदमी के लिए यह काम लगभग असंभव हो गया है। लोगों का कहना है कि कार्यालय में सही प्रक्रिया की जानकारी तक नहीं दी जाती, न ही फॉर्म आसानी से उपलब्ध कराए जाते हैं। जनता को जानबूझकर भ्रम में रखा जा रहा है ताकि हर आवेदन में गलती निकालकर अवैध वसूली की जा सके।

आम आदमी सवाल पूछे तो मिलता है टालमटोल जवाब: नगर पालिका में प्रमाण पत्र के संबंध में पूछताछ करने पर लोगों को सिर्फ टालमटोल जवाब दिए जाते हैं। कई मामलों में कर्मचारियों द्वारा बहस और बदसलूकी की भी शिकायतें सामने आ रही हैं।

कब तक घिसते रहेंगे लोग जूते: अब हालत यह हो गई है कि जौनपुर में जन्म लेना भी मानो गलती बन गया है। क्योंकि लोगों का जन्म प्रमाण पत्र तक नहीं बन पा रहा। आम जनता हताश होकर कार्यालय के चक्कर काट रही है और सिर्फ अपने जूते घिस रही है। प्रशासन और नगर पालिका अध्यक्ष को देना होगा ध्यान इस पूरे मामले में प्रशासन, नगर पालिका अध्यक्ष और अधिशासी अधिकारी को तत्काल हस्तक्षेप करने की जरूरत है। यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधारी गई तो भ्रष्टाचार और अवैध वसूली का यह खेल और बढ़ता जाएगा।

सरायख्वाजा पुलिस ने अपहृत बालिका को सकुशल किया गया बरामद, अपहरण करने वाला आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रभारी निरीक्षक सरायख्वाजा के नेतृत्व में थाना पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0-0045/2026 धारा-137(2), 87 बीएनएस से संबंधित अपहतको सकुशल बरामद किया गया व पुलिस टीम द्वारा

की गई सतर्कता एवं लगातार प्रयासों के फलस्वरूप घटना में संलिप्त अभियुक्त रामजी मौर्या उर्फ गुड्डू मौर्या पुत्र भैय्यालाल मौर्या निवासी ग्राम फरीदाबाद थाना सुजानगंज जनपद जौनपुर को कुत्तुपुर तिराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया गया है। बरामद बालिका को नियमानुसार आवश्यक चिकित्सीय परीक्षण हेतु भेजा गया है तथा उसके कथन दर्ज कराए जा रहे हैं। अभियुक्त के विरुद्ध विधिक कार्यवाही प्रचलित है तथा उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

तीन दिवसीय योग शिविर का समापन

जितेन्द्र कनोजिया

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विगत वर्षों की भांति बेलाव बाजार में स्थित रविवार को महावीर माडर्न पब्लिक स्कूल बेलॉव में दो दिवसीय योग शिविर का प्रारंभ मां सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया।

योग प्रशिक्षक सम्भूनाथ जिला प्रभारी पतंजलि योग समिति जौनपुर एवं गोविंद द्वारा योग प्रशिक्षण दिया गया। योग प्रशिक्षण में यौगिक जॉगिंग, विभिन्न प्रकार के आसन प्राणायाम एवं सूर्य नमस्कार का अभ्यास बच्चों को कराया गया। बच्चों की लम्बाई बढाने का आसन ताड़ासन एवं श्वासों से सम्बंधित भस्त्रिका आदि प्राणायाम कराया गया। अन्य आसनों में भुजंगासन, वज्रासन, मंडूकासन, मर्कटासन, द्विचक्रिका आसन, पाद वृत्ति आसन आदि को बताते हुए इससे होने वाले सभी लाभों के बारे में जानकारी दी गई। योग प्रशिक्षक सम्भूनाथ जी द्वारा इस बात पर जोर देकर बताया गया कि योग आज हर व्यक्ति के लिए उतना ही जरूरी है जितना भोजन। योग से बच्चे संयमित और

अनुशासित होकर उतम शिक्षा एवं जीवन जीने की शैली प्राप्त कर अपने जीवन को सफलता के उच्च शिखर पर ले जा सकते हैं। अंत में प्रधानाचार्य विनोद कुमार ने योग गुरु एवं उपस्थित अभिभावक जनों का हार्दिक आभार व्यक्त कर छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना के साथ सबका धन्यवाद करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा किया।

कि समस्त बच्चों और शिक्षकों को योग का अभ्यास प्रतिदिन करना चाहिए। योग हमारे पूर्वजों की धरोहर है जो आज वैश्विक स्तर पर छायी हुईं है। योग के महत्व को समझते हुए आज लगभग दो सौ से अधिक देशों के लोगों ने स्वीकार कर इसको करना प्रारंभ किया है। प्रबन्धक अंजनी कुमार सिंह ने योग के महत्व को बताते हुए कहा

होमगार्ड जवान की सम्मानपूर्वक विदाई

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। होमगार्ड विभाग में लंबे समय तक सेवा देने वाले होमगार्ड जवान अमरदेव यादव, सहकू राम, दिनेश चंद्र सोनकर, मुरली मनोहर तिवारी, फिरतु राम, भगवान राम, की सेवानिवृत्ति के अवसर पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में उपस्थित

अधिकारियों एवं जवानों ने उनके कार्यकाल की सराहना की। विदाई समारोह के दौरान वक्ताओं ने कहा कि अमर देव यादव, सहकू राम, दिनेश चंद्र सोनकर, मुरली मनोहर तिवारी, फिरतु राम, भगवान राम ने अपने सेवाकाल में ईमानदारी, निष्ठा और कर्तव्यपरायणता के साथ विभाग की सेवा की। उनकी सेवाएं सदैव याद रखी जाएंगी। इस अवसर पर होमगार्ड विभाग के अधिकारीगण, कर्मचारी एवं प्रभारी निरिक्षक कोतवाली केराकत के द्वारा अंग वस्त्र व माला पहनाकार विदाई समारोह किया गया कंपनी कमांडर संतोष यादव ब्लॉक ऑगेनाइजर अजय प्रताप सिंह, कैलाश यादव, हरिश्चंद्र समर बहादुर, त्रिवेदी पाठक, विपुल सिंह, अजय दुबे, सर्वेश सिंह, रविंद्र यादव अन्य जवान उपस्थित रहे। सभी ने उन्हें उज्ज्वल भविष्य और स्वस्थ जीवन की शुभकामनाएं दीं।

बदलापुर पुलिस ने तमंचा कारतूस के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना बदलापुर पुलिस टीम द्वारा संदिग्ध वाहनों व

व्यक्तियों की चेकिंग की जा रही थी कि चेकिंग के दौरान मुखबिर खास की सूचना पर परमहंस मोड़ बहद ग्राम बलुआ के पास से हार्दिक यादव उर्फ हैप्पी पुत्र संजय यादव निवासी खमपुर वीरभानपुर चवेर थाना बक्शा जनपद जौनपुर को एक तमंचा .315 बोर व एक जिन्दा कारतूस .315 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया। बरामदगी के आधार पर आरोपी के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सीएमएस के.के. राय, फार्मासिस्ट राजेश सिंह को दी गई विदाई

डॉ.संजय कन्नौजिया को सौंपा गया सीएमएस का कार्यभार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अमर शहीद उमानाथ सिंह जिला अस्पताल के सीएमएस केके राय और फार्मासिस्ट राजेश सिंह 31 जनवरी 2026 को सेवानिवृत्त हो गए। इस मौके पर जिला अस्पताल में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस

मौके पर सीएमओ डॉ. प्रभात सिंह ने कहा कि इतने वर्षों तक सेवा के बाद सेवानिवृत्त हो जाना बहुत ही कठिन दिन होता है। सार्वजनिक जीवन में लोगों के बीच सेवा करना बहुत अच्छा लगता है। आप लोगों की कमी हमेशा खलती रहेगी। इतना ही नहीं जहां भी कभी जरूरत होगी आप लोगों मार्गदर्शन के लिए अवश्य बुलाया जाएगा। आपका अनुभव चिकित्सा विभाग में हमेशा काम आएगा। इस दौरान सीएमएस केके राय और फार्मासिस्ट राजेश सिंह को स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्रम और बुके देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान दोनोंजनों की आंखें भर आयी। उन्हें देख सबकी आंखें छलक पड़ी। अंत में सीएमएस का कार्यभार डॉ. संजय कन्नौजिया को सौंपा गया।

हत्या के मामले में जिला जज ने सुनायी एक ही परिवार के चार लोगों को आजीवन कारावास की सजा

गाजीपुर (उत्तरशक्ति)। जिला जज धर्मेंद्र कुमार पांडेय की अदालत ने शनिवार को हत्या के मामले में एक ही परिवार के पिता सहित 4 लोगो को आजीवन कारावास की सजा सुनाते हुए प्रत्येक को 20-20 हजार रुपये के अर्थदंड से दण्डित किया है साथ ही अर्थदंड की राशि से 60 प्रतिसत राशि वादनी को देने का आदेश दिया है! अभियोजन के अनुसार थानां दिलदारनगर के शहनाज अख्तर ने दिनांक 8 अप्रैल 2023 को इस बात का तहरीर दिया कि उसके पति अमजद खा को उसके ही पिता एनुदीन खा, भाई नवशाद खा इरफान खा व मेहरुन्निशा संपत्ति में हिस्सा न देने की बात मोबाइल से करते थे और संपत्ति की लालच में कभी भी मेरी और मेरे बच्चों की हत्या कर सकते है इस बात की खबर मोबाइल से बताते थे उसी सम्पति की विवाद को लेकर 8 अप्रैल 2023 को रात्रि करीब 4 बजे मेरे पति की हत्या उपरोक्त लोगो ने गला रेत कर कर दिए! वादनी उस समय अपने मायके में बच्चो के साथ थी सूचना पर अपने ससुराल आई! वादिनी की सूचना पर आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज हुआ पुलिस से दौरान विवेचना आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया! पुलिस ने विवेचना उपरान्त सभी आरोपियों के विरुद्ध न्यायालय में आरोप पत्र पेश किया! दौरान विचारण अभियोजन की तरफ से जिला शासकीय अधिवक्ता कृपाशंकर राय व वादिनी के अधिवक्ता भोला नाथ राय ने कुल 7 गवाहो को पेश किया शनिवार को दोनो तरफ की बहस सुनने के बाद न्यायालय ने उपरोक्त सजा सुनाते हुए चारो आरोपियों को जेल भेज दिया।

पुरस्कार केवल एक वस्तु नहीं, बल्कि आपकी कड़ी मेहनत और लगन का प्रतीकः बीएसए

जलालपुर के दूबेपुर कंपोजिट विद्यालय में मेधावी छात्र का सम्मान

जलालपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुरस्कार केवल एक वस्तु नहीं, बल्कि आपकी कड़ी मेहनत और लगन का प्रतीक है।हर बच्चा अपनी जगह प्रतिभावान है,बस उसे सही दिशा में प्रयास करने की आवश्यकता है।उक्त बाते गुरुवार को समाजसेवी स्व केदार नाथ दुबे के पुण्यस्मृत में पुरस्कार वितरण समारोह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी

डॉक्टर गोरखनाथ पटेल ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा,सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, यह केवल कठिन परिश्रम और अनुशासन से प्राप्त होती है बयालसी इंटर कालेज के प्रधानाचार्य डाक्टर शैलेंद्र कुमार सिंह ने कहाकि बच्चों के भीतर एक असीम संभावना छिपी रहती है जो अपनी रुचि को पहचानें खुद पर विश्वास रखें और निरंतर आगे बढ़ते रहें। बयालसी पीजी कालेज की प्राचार्या डॉ अलकेश्वरी सिंह ने कहा कि पुरस्कार आपकी मेहनत की गवाही देते हैं। लेकिन याद रखना, स्कूल का रिपोर्ट कार्ड सिर्फ आपकी बुद्धिमत्ता को मापता है, आपके चरित्र और संस्कारों को नहीं। हमारी शिक्षा का उद्देश्य केवल आपको एक 'सफल व्यक्ति' बनाना नहीं, बल्कि एक 'बेहतर इंसान' बनाना है। कार्यक्रम में कक्षा 8 में सर्वोच्च अंक पाने वाले छात्र संगम सिंह को नगद राशि के साथ स्टेशनरी देकर न्यायिक मजिस्ट्रेट केराकत बिंदुलता सिंह,के द्वारा सम्मानित किया गया आभार ज्ञापन संतोष दुबे सबिता दुबे संजय दुबे धनंजय दुबे के द्वारा अतिथियों को अंगवत्रम भेट कर ने किया गया इस अवसर पर रिटायर्ड आईपीएस अनिल कुमार मिश्रा, पूर्व प्रमुख शंकर यादव,ब्लाक अध्यक्ष पवन कुमार सिंह,संतोष दुबे, राजबहादुर सिंह, ऋषभ, रुद्र, ऋषि, सम्भु नाथदुबे आदि मौजूद रहे।

आम्रपाली दुबे की फिल्म माई से मिला द मैया वैष्णो देवी की शूटिंग शुरू

दानिश सिद्दीकी

बक्शा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा क्षेत्र के फतेहगंज के बढ़ौना गांव में आज फिल्म का शुभारंभ हुआ। अपने लाजवाब अभिनय से दर्शकों के दिलों पर राज करने वाली अभिनेत्री आम्रपाली दुबे की फिल्म माई से मिला द मैया वैष्णो देवी की शूटिंग मुहूर्त कर जौनपुर में शुरू हो गई है। माई से मिला द मैया वैष्णो देवीः के बारे में फिल्म के निर्देशक पंकज सिन्हा ने बताया कि ये फिल्म सच्ची घटना पर आधारित एक पारिवारिक भक्तिमय फिल्म है जो लोक आस्था से दर्शकों को अपने से कनेक्ट करेगी क्योंकि आज के दौर में लोग मॉर्डन के चक्कर में अपनी सभ्यता, संस्कार और आस्था को भूल रहे है इसी को ध्यान में रखकर हम अपनी फिल्म के माध्यम से जोड़ने का प्रयास कर रहे है उम्मीद है आप लोगों को हमारा प्रयास पसंद आयेगा। बाकी बात आम्रपाली दुबे के किरदार की करे तो इस फिल्म में वो एक बहुत अच्छे किरदार को निभा रही है जो समाज में

लोगों तक अच्छा सन्देश देगा वैसे भी आम्रपाली दुबे के अभिनय की दुनिया कायल है यही वजह है जो वो दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है।

फिल्म के निमार्ता कुसुम त्रिपाठी, पवन त्रिपाठी है और निर्देशक पंकज सिन्हा है। फिल्म की इस कहानी को सभा वर्मा ने लिखा है व फिल्म का छायांकन कर रहे जगदीप सिंह जग्गी। फिल्म के प्रोडक्शन हेड रौनक मिश्रा है और फिल्म के प्रचारक सोनू यादव एडिफलोर है।

फिल्म में मुख्य भूमिका में आम्रपाली दुबे, कुंदन भारद्वाज, विनोद मिश्रा, नीलम पांडे, साहिल शेख, प्रेरणा सुषमा, खुशबू यादव सहित पत्रकार बंधु साथी शाहिद खान, नरेंद्र, दानिश मौजूद रहे।

बाबा श्री सिद्धेश्वर महादेव क्षत्रियपुर के 36वें स्थापना दिवस पर भव्य आयोजन

शिशिर कुमार सिंह का हुआ जोरदार स्वागत एवं अभिनंदन

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील क्षेत्र अंतर्गत क्षत्रियपुर गांव में स्थित बाबा श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर के 36वें स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को भव्य धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर उपस्थित शिशिर कुमार सिंह, पूर्व सदस्य रेल मंत्रालय भारत सरकार, का मंदिर समिति एवं ग्रामीणों द्वारा माल्यार्पण कर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मंदिर समिति के अध्यक्ष गिरेन्द्र प्रताप सिंह ने की। स्थापना दिवस के अवसर पर विधिवत पूजा-अर्चना, रुद्राभिषेक एवं हवन-पूजन का आयोजन किया गया, और साथ ही अयोध्या धाम से लाई गई प्रभु श्री राम लला की मूर्ति भी स्थापित किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर बाबा भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। शिशिर कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर क्षेत्र की आस्था का

प्रमुख केंद्र है और ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में आपसी भाईचारा, सद्भाव और संस्कारों को मजबूत करते हैं। उन्होंने मंदिर के विकास एवं धार्मिक गतिविधियों में हरसंभव सहयोग का आश्वासन भी दिया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संजय सिंह, नितिन सिंह वरिष्ठ भाजपा नेता, रमेश सिंह, सोमेश सिंह (भैयू), हिमांशु सिंह, ऋषि, रचित सिंह ऋषभ सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय गणमान्य नागरिक, श्रद्धालु एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे। आयोजन के अंत में प्रसाद वितरण किया गया तथा समिति द्वारा सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया गया।

निर्गुण, श्रम के महिमाकर, जातिवाद के घोर विरोधी थे संत रविदास जीः राकेश मौर्य

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निदेर्शानुसार समाजवादी पार्टी जौनपुर के तत्वाधान में समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय सदर चुंगी अल्फस्टीनगंज में प्रातः 10 बजे संत शिरोमणि रविदास जी एवं संत शिरोमणि न हरिदास महाराज जी सोनार की जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई।

इस अवसर पर सर्वप्रथम दोनों महापुरुषों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया गया तत्पश्चात जिला महासचिव आरिफ हबीब ने जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में गोष्ठी आयोजित कर दोनों महापुरुषों के जीवन दर्शन पर चर्चा कराई। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि संत शिरोमणि रविदास जी और संत शिरोमणि नरहरि दास जी सोनार का संपूर्ण जीवन विश्व को जातिवाद, ऊंच नीच, भेदभाव का घोर विरोध करता रहा। दोनों संतों ने श्रम के महिमाकर और अपने जीवन को तथा सोनार के पेशे को आध्यात्मिक

प्रतीकों के रूप में प्रयोग किया जैसे शरीर को अंगीठी और आत्मा को सोना बताया। गोष्ठी को ज़िला उपाध्यक्ष हीरालाल विश्वकर्मा, ज़िला सचिव गामा सोनकर, प्रदेश सचिव महिला सभा ऊषा जायसवाल,लाल मोहम्मद राईनी ,वीरेंद्र यादव, निजामुद्दीन अंसारी आदि ने संबोधित किया। गोष्ठी में मुख्य रूप से हिसामुद्दीन शाह, ज़िला सचिव संतोष मौर्य मुन्ना, हवलदार चौधरी, रत्नाकर चौबे, श्रवण जायसवाल, दीपक विश्वकर्मा, साहबलाल गौतम, सोनी सेठ, रवि यादव कृष्णकांत बिंद,धीरज बिंद,धर्मेंद्र सोनकर, राजेश यादव, नंदलाल यादव, शकील अहमद, राहुल त्रिपाठी, दिलीप प्रजापति, सुनील वासुदेव यादव, आसिफ शाह, पूनम यादव, राधिका यादव, शिवांगी यादव, रविन्द्र मौर्य, अमजद अंसारी रियाज खान, सहित अन्य पदाधिकारी गण मौजूद रहे। गोष्ठी का संचालन जिला महासचिव आरिफ हबीब ने किया।

पूर्ति निरीक्षक कार्यालय केराकत बना भ्रष्टाचार का अड्डा!

सुविधा शुल्क के बगौर नहीं हो रहा है काम, प्रदेश की योगी सरकार का भी नहीं है डर

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत खाद्य आपूर्ति निरीक्षक की घोर मनमानी नीति से प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार की राशन वितरण प्रणाली व्यवस्था पारदर्शी होने की बजाय जन विरोधी साबित होने लगी है। पूर्ति निरीक्षक कार्यालय में राशन कार्ड बनवाने और नाम बढ़ाने के कार्य में घोर लापरवाही और उदासीनता का रवैया अपनाऐ जानें से लोग परेशान और आजीज होकर भाजपा की प्रदेश सरकार को कोश रहे हैं। मनमानें ढंग से लोगों के राशन कार्ड को निरस्त कर दिया जा रहा है। नये राशन कार्ड बनाने के लिऐ आनलाईन समस्त औपचारिकता पूर्ण कर पूर्ति निरीक्षक कार्यालय में जमा करनें के बाद भी पूर्ति निरीक्षक का जवाब होता है। सत्यापन करनें के बाद राशन कार्ड बना दिया जायेगा। सत्यापन के नाम पर भारी संख्या में संख्या में लोग साल भर से लगाय 6 माह से आपूर्ति निरीक्षक कार्यालय की गणेश परिक्रमा कर रहे हैं। इतना ही नहीं नया राशन कार्ड बनाने वाले पात्र गरीबों को सालो तक लोगों को दौड़ाया जाता है। इसके बाद जब राशन कार्ड बनाया भी जाता है तो नाम पता गलत कर दिया जाता है। पूछनें पर सही है का जवाब दिया जाता है। माना जाये तो पूर्ति निरीक्षक कार्यालय में मनमानी की हद पार है। जिला अधिकारी जौनपुर से इन बेलगाम अधिकारियों पर कार्यवाही की मांग है। केराकत आपूर्ति निरीक्षक कार्यालय में हालात यह है कि वहां वहां जनता की कोई सुननें वाला नहीं है। उल्टे सीधे पाठ पढ़ाकर लोगों को रोजाना लौटा दिया जा रहा है। ऐसी स्थिति में जनता अपनें राशन कार्ड को बनाये जानें के लिऐ कहा जाय और किससे कहें। सूत्र बताते हैं कि जिन लोगों नें खाद्यान्न वितरण करनें वाले लोगों के जरिये या बैक डोर से बतौर सुविधा शुल्क दे दिया उनका कार्य पलक भजतेही हो जाता है। आम चर्चा है कि पूर्ति निरीक्षक कार्यालय केराकत कामधेनू गाय साबित होनें लगी है। ऐसी स्थिति में भ्रष्टाचार के चरम आगोश में डूबे कार्यालय का भगवान ही बेड़ापार लगा सकते हैं। क्यों कि इस कार्यालय और उनके जिम्मेदार अधिकारियों पर योगी सरकार की लड़ाइयों का रचमात्र भी डर और भय नहीं है। पूर्ति कार्यालय में राशन कार्ड बनाये जानें अथवा यूनिट बढ़ाये जानें के नाम पर हो रही मनमानी खुली लूट नें प्रदेश सरकार की कथनी और करनी में अंतर को लेकर गंभीर यक्ष प्रश्न खड़ाकर दिया है। भ्रष्टाचार के आखंड आगोश में डूबे पूर्ति निरीक्षक कार्यालय आजकल खासे जन चचाओं में बना हुआ है।

चिराना में अजय कुमावत का हुआ सम्मान

चिराना। सीकर दिल्ली स्टेट हाइवे स्थित गणेश मंदिर के पास बने हेल्थ केयर एंड परामर्श केंद्र पर रविवार शाम को झुंझुनू के पंचदेव मंदिर के पास बने एमजी मॉल एवं ढिशुम सिनेमा के मैनेजिंग डायरेक्टर अजय कुमावत को गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप मे आमंत्रित कर डॉ.राजेंद्र कुमावत द्वारा सम्मानित किया गया। सीकर में आज वे लंदन बेरी के शोरूम का उद्घाटन कर जब उदयपुरवाटी की ओर जा रहे थे तो एक उम्दा माहौल में उन्हें आमंत्रित कर चाय पर चर्चा हुई और अपने निजी कार्यक्रम के बारे जानकारी भी दी। इस दौरान चेतन कुमावत,विकास पत्रकार, राकेश कुमार, सुमन सैनी नर्स आदि उपस्थित रहे।

तीसरे तल से जमीन पर आ गिरीं, मौत

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के शिवपुर थाना अंतर्गत हटिया क्षेत्र में किराए पर रह रही दो महिलाएं शनिवार को आपस में मारपीट करती हुई तीसरे तल से जमीन पर आ गिरीं। इस दौरान एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई तो वहीं दूसरी महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। जानकारी होने के बाद मौके पर पुलिस और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

शिवपुर थाना क्षेत्र के हटिया इलाके में शनिवार को दो महिलाओं की कपड़ा फैलाने को लेकर शुरू मामूली विवाद से झड़प आखिरकार एक की मौत पर जाकर खत्म हुई। वहीं जानकारी होने के बाद पुलिस पंचनामा भरकर विधिक कार्रवाई कर रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार किराए पर रह रही दो महिलाओं के बीच मामूली बात को लेकर शुरू विवाद अचानक मारपीट तक जा पहुंची। इसके चलते तीसरा तल छत पर लड़ते झगड़ते और मारपीट करते हुए दोनों महिलाएं नीचे आ गिरी जिसमें एक की मौत हो गई। लोगों ने बताया कि यह घटना उस समय हुई जब दोनों महिलाएं आपस में मारपीट कर रही थीं और इस दौरान एक महिला तीसरे तल से गिर गई। गिरने के कारण महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए। घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई, जिससे स्थिति और भी तनावपूर्ण हो गई। पुलिस ने घायल महिला को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, दोनों महिलाएं लंबे समय से किराए पर रह रही थीं और उनके बीच अक्सर विवाद होते रहते थे। इस बार का विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों के बीच हाथापाई शुरू हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि मारपीट के दौरान संतुलन खोकर गिरने से एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वे इस मामले में सभी पहलुओं की जांच करेंगे और जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने कहा है कि वे मामले की जांच में जुटे हैं और जल्द ही सभी तथ्यों को सामने लाएंगे।

इस तरह हुई घटना

भरलाई के हटिया में राधा प्रसाद वर्मा के तीन तल के मकान में राजगीर मिस्त्री तेज बहादुर का परिवार तथा किराएदार आकाश का परिवार रहता है। प्रारंभिक सूचना के अनुसार दोनों किराएदार में पूर्व का विवाद था, शनिवार की दोपहर करीब 12 बजे मृतका ज्योति प्रजापति जो कि तीसरे तल पर रहती हैं नहा कर कपड़ा सुखाने गई तभी दूसरे तल पर किराए पर रहने वाली समसुल बेगम उर्फ सुमन भी कपड़ा सुखाने गई। मृतका ज्योति प्रजापति ने समसुल बेगम को अपने खुद के बंधे हुए तारों पर कपड़ा सुखाने से मना किया। इसी दौरान दोनों में जमकर मारपीट होने लगी, एक दूसरे को पकड़ कर मारपीट के दौरान दोनों तीसरे तल के खुले बारजे में आ गई और दोनों नीचे गिर पड़ी, जिस कारण ज्योति प्रजापति उम्र 22 वर्ष की मौके पर मौत हो गई वहीं 28 वर्षीय सेमसुल बेगम उर्फ सुमन गंभीर रूप से घायल हो गई, मृतका ज्योति प्रजापति के पति तेज बहादुर ने बताया कि उनके दो साल की एक बेटी तथा दो माह की एक बेटी है पुलिस आवश्यक कार्रवाई में जुटी हुई है।

कुंभ मेला 2025 में उत्कृष्ट सेवा पर होमगार्ड जवान सम्मानित

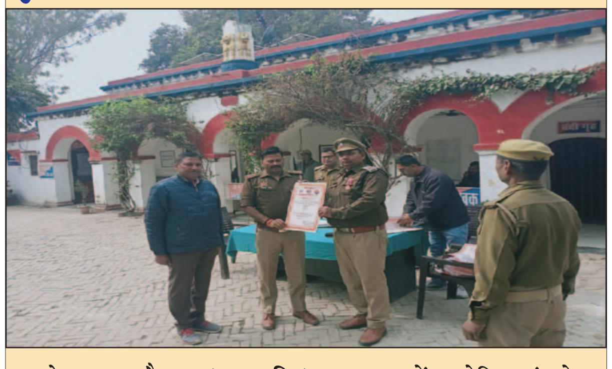

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रयागराज में आयोजित कुंभ मेला 2025 के दौरान उत्कृष्ट ड्यूटी का निर्वहन करने वाले केराकत क्षेत्र के होमगार्ड जवानों को उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री द्वारा मेडल एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। यह सम्मान केराकत कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक द्वारा सभी चयनित जवानों को प्रदान किया गया। सम्मानित होने वाले जवानों में कंपनी कमांडर संतोष यादव, कैलाश यादव, अजय कुमार दुबे, परमहंस सिंह, त्रिवेणी पाठक, उदय प्रताप, जयप्रकाश, सुभाष राम प्रथम, समर बहादुर, सुभाष राम तृतीय, रंजीत सिंह, रमेश यादव, शिव बच्चन यादव एवं राकेश कुमार शामिल रहे। इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि कुंभ जैसे विशाल और संवेदनशील आयोजन में होमगार्ड जवानों ने पूरी निष्ठा, अनुशासन और कर्तव्यपरायणता के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाई, जो सराहनीय है। सम्मान प्राप्त करने वाले जवानों ने इस उपलब्धि को पूरे होमगार्ड बल के लिए प्रेरणादायक बताया।

समिति द्वारा आगामी मार्च में आयोजित होली स्नेह सम्मेलन हेतु बैठक संपन्न

मुंबई। श्री रामलीला उत्सव समिति विक्रोली पार्कसाईट द्वारा प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी, अपने 60वें वर्ष में, आगामी मार्च माह 2026 में आयोजित होने वाले होली स्नेह सम्मेलन के सफल आयोजन को लेकर रविवार को रेखा अपार्टमेंट, अमृतनगर, घाटकोपर (पश्चिम) में समिति पदाधिकारियों एवं सदस्यों की उपस्थिति में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल ने की। कार्यक्रम के मंच संचालन की जिम्मेदारी विमलेश मिश्र ने निभाई, जबकि संगठन मंत्री आदेश मिश्र ने आयोजन से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर समिति सदस्यों से संवाद स्थापित किया और आवश्यक सुझाव साझा किए। इस अवसर पर समिति सचिव दिवाकर मिश्र, कार्याध्यक्ष दलजीत पांडेय, अरविंद शुक्ल, उपाध्यक्ष रत्नेश शुक्ल और अरविंद सी शुक्ल, लेखा निरीक्षक सर्वदेव पांडेय, उपकोषाध्यक्ष बृजेश शुक्ल,दिनेश सिंह सहित अनिल सिंह, रामतीरथ शर्मा, संजय मिश्रा, अवधेश तिवारी, राजेश पांडेय, संदीप दुबे, नीरज शुक्ला, प्रेम तिवारी, सौरभ यादव, रामपति यादव, विलास नीलकंठ, दीपक सुहाना (छोटका खेसारी), किशन चंद शर्मा, विपिन सिंह, तपस्वीलाल चौरसिया सहित बड़ी संख्या में समिति के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के अंत में समिति अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल और संगठन मंत्री एवं मीडिया प्रभारी आदेश मिश्र ने सभी उपस्थित सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया

इन्दिरा आईवीएफ का मलाड में नया फर्टिलिटी क्लिनिक शुरू

मुम्बई। इन्दिरा आईविएफ हॉस्पिटल लिमिटेड ने मुंबई में अपनी उपस्थिति को और सशक्त करते हुए मलाड में एक नए फर्टिलिटी क्लिनिक की शुरूआत की है। इस सेंटर के उद्घाटन के साथ, शहर के पश्चिमी उपनगरों में संगठित फर्टिलिटी और रिप्रोडक्टिव हेल्थ केयर सेवाओं तक पहुँच और सुलभ हो सकेगी। नया इन्दिरा आईविएफ क्लिनिक, यूनिट नंबर 104, फर्स्ट फ्लोर, अनुपम अपार्टमेंट, एस.वी. रोड, रेशन ऑफिस के सामने, मलाड (मुम्बई) पर शुरू किया गया है। यह सेंटर सभी तरह की फर्टिलिटी और आईवीएफ सेवाएँ एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराएगा। यह सेंटर इन्दिरा आईवीएफ के स्टेण्डर्ड क्लिनिकल प्रोटोकॉल, तकनीकी प्रणालियों और अनुभवी विशेषज्ञ टीम के द्वारा संचालित होगा। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में इन्दिरा आईवीएफ बोरीवली की सीनियर एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर डॉ.कनिका कल्याणी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सीनियर एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर इन्दिरा आईवीएफ भांडुप डॉ. रिनॉय श्रीधरन उपस्थित थे। इस अवसर पर इन्दिरा आईवीएफ मलाड सेंटर हेड डॉ. भार्गवी विलास दुबे ने अतिथियों का स्वागत किया।

इन्दिरा आईवीएफ हॉस्पिटल लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर नितिज मुर्डिया ने कहा कि मुंबई में समय पर और विश्वसनीय फर्टिलिटी केयर की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है, विशेष रूप से जब अधिक से अधिक व्यक्ति और दंपती रिप्रोडक्टिव हेल्थ के लिए समय रहते मार्गदर्शन लेना चाहते हैं। मलाड सेंटर हमारा यह प्रयास दशार्ता है कि हम उचित फर्टिलिटी उपचार मरीजों के और निकट ला रहे हैं साथ ही अपने पूरे नेटवर्क में एक समान क्लिनिकल स्टेण्डर्ड बनाए रखें।

महात्मा फुले एजुकेशन ट्रस्ट मे शानदार, रंगारंग वार्षिकोत्सव

मुंबई (उत्तरशक्ति)। म.फु.एज्युकेशन ट्रस्ट द्वारा संचालित राजे शिवाजी विद्यालय, छत्रपति शिवाजी महाराज विद्यालय (मराठी, हिंदी, उर्दू, अंग्रेजी माध्यम) व मनोहर जोशी महाविद्यालय में विद्यार्थियों की छिपी हुई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने और उनके अंतर्निहित कला-गुणों को निखारने के उद्देश्य से महात्मा फुले एज्युकेशन ट्रस्ट की ओर से वार्षिक स्नेह सम्मेलन उड़ान-2026 का भव्य आयोजन शनिवार शाम को ट्रस्ट के पीएमजी कॉलोनी, धारावी स्थित भव्य प्रांगण में उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ शारदे माँ के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया गया। कार्यक्रम का आगाज बच्चों ने गणेश जी वंदना करके किया। इस कार्यक्रम मे विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रीय एकता पर आधारित कव्वाली तथा सावित्रीबाई फुले का कन्या शिक्षण, नारी शक्ति, वृद्धाश्रम का बढ़ता चलन, मोबाइल की लत जैसे समसामयिक ज्वलंत मुद्दों पर आधारित विविध रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुत किए गए। इस वार्षिक स्नेह सम्मेलन में मुख्य अतिथि आयकर अधिकारी रामकृष्ण झा, विशेष अतिथि दोपहर का सामना के उप-संपादक संदीप पांडेय, स्थानीय नगरसेविका आशा काले, धारावी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राजू बिडकर, डब्ल्यूपीपी स्वयंसवी संस्था की रमा मैडम, ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक बाबूराव माने उपस्थित थे।

इसके साथ ही संस्था के सचिव दिलीप शिंदे, ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष प्रमोदमाने, व मुख्याध्यापिका वीणा दोनवलकर, अंग्रेजी माध्यम की प्रिसिंपल व ट्रस्टी मेंबर स्वाती होलमुखे मप्राथमिक विभाग की प्रिसिंपल,सौ.श्रद्धा माने मनोहर जोशी महाविद्यालय की प्राचार्या मृणाल रसाल तथा सर्व शिक्षकवृंद एवं शिक्षकेतर कर्मचारी व अभिभावक गण भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। म.फु.ए.ट्रस्ट के अधयक्ष श्री बाबुराव माने सर जी ने विद्यार्थियों की हौसलाअफजाई की वर्षभर मे कला,शिक्षा,खेल जैसे अनेक क्षेत्रो मे अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्रो को पारितोषिक प्रदान किए गए। उपस्थित कला-प्रेमियों ने इस शानदार, जानदार रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में उपस्थित रहकर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

एक गौतस्कर गिरफ्तार, कब्जे से तमंचा कारतूस व स्कार्पियों वाहन बरामद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना चंदवक पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली की एक बिना नं0 की पिकअप गोवंश लादकर बिहार जा रही है। सूचना पर पुलिस बल द्वारा उक्त वाहन को पकड़ने हेतु पीछा किया गया किन्तु पिकअप के पीछे चल रही तथा पिकअप को प्रोटेक्ट कर रही स्कार्पियो में बैठे व्यक्ति स्कार्पियो से नीचे उतरकर पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नियत से लक्ष्य कर फायरिंग करते हुए भागने लगे, जिसका लाभ लेकर गोवंश लदी पिकअप का चालक गोवंश सहित पिकअप लेकर भागने में सफल रहा। स्कार्पियों से नीचे उतरकर फायर कर रहे बदमाशों में से एक को पुलिस बल द्वारा घेरकर पकड़ लिया गया शेष आरोपीगण झाड़ झंखाड़ का लाभ लेकर भागने मे सफल रहे। बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार मु0अ0सं0-18/2026 धारा 109(1)-बीएनएस व 3/25 आर्म्स एक्ट बनाम,विजय कुमार पुत्र पुटुन्नी नोना नि0 डेहरी थाना केराकत जौनपुर व मौके से फरार आरोपीगण, राकेश यादव पुत्र रमेश यादव नि0 अनौनी (मधबुन) थाना खानपुर गाजीपुर ,अर्जुन कुमार पुत्र अज्ञात नि0 रेहारी थाना चंदवक जौनपुर ,कुंदन कुमार पुत्र अज्ञात नि0 रेहारी थाना चंदवक जौनपुर ,अमन नोना पुत्र बबलू नोना नि0 रेहारी थाना चंदवक जौनपुर पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

माघी पूर्णिमा के अवसर पर समाजसेवी रामजी उपाध्याय ने जरूरतमंदों को बांटे कंबल

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। माघी पूर्णिमा के अवसर पर आज महदा, बहरीपुर गांव के वरिष्ठ समाजसेवी रामजी उपाध्याय ने सैकड़ों जरूरतमंदों को कंबल वितरित किया। अयोध्या में भगवान श्री राम की मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष में उन्होंने दूसरी बार इस कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर स्वागत समारोह एवं प्रीति भोज का भी आयोजन किया गया। श्री उपाध्याय के सुपुत्र हरिवंश कुमार उपाध्याय और रघुवंश मणि उपाध्याय ने आए हुए सभी गणमान्य लोगों का शॉल और माल्यार्पण द्वारा सम्मान किया। इस अवसर पर अयोध्या के संत जगतगुरु स्वामी हरिनारायण विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने उपाध्याय परिवार द्वारा की जा रही सामाजिक सेवाओं की सराहना करते हुए इसे प्रेरणादायक पहल बताया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित पंडित प्रवीण कुमार मिश्रा उर्फ अमेरिका वाले गुरुजी ने लोगों से सनातन धर्म का पालन करते हुए आपसी भेदभाव को समाप्त करने की अपील की। विशेष अतिथि के रुप उपस्थित वरिष्ठ पत्रकार मुन्ना त्रिपाठी, थानाध्यक्ष सय्यद हुसैन मुंतसर , भाजपा नेता गंगा प्रसाद सिंह, डॉक्टर कृष्ण कुमार तिवारी , शशिधर शुक्ला, दिव्य सागर शुक्ला, समेत अनेक लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख लोगों में विमलेश चौबे, सत्यनारायण सिंह, नरसिंह बहादुर सिंह, सोनू सिंह, अंबुज तिवारी, प्रधान रवि मौर्य, विनोद तिवारी, भाजपा नेता रामकृपाल केवट, सत्येंद्र उपाध्यक्ष, डॉ लक्ष्मीकांत मिश्रा, पत्रकार शिवपूजन मिश्रा, पत्रकार अरविंद उपाध्याय, प्रबंधक अश्वनी सिंह, प्रधान लालदेव, प्रधान संजय सिंह, एडवोकेट कन्हैयालाल उपाध्याय, कमलापति मिश्रा, प्रमोद मिश्रा, लक्ष्मी उपाध्याय, रामजीत मिश्रा, जयनारायण उपाध्याय, जयप्रकाश उपाध्याय, पंडित वसुधा तिवारी, हरिश्चंद्र उपाध्याय, देवता मिश्रा, कृष्णा तिवारी आदि का समावेश रहा । कार्यक्रम का सुंदर संचालन वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे ने किया। अंत में हरिवंश कुमार उपाध्याय ने समस्त लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

लोकप्रिय लेकिन उद्देश्यपूर्ण बजट : अक्षत खेतान

मुंबई। आज प्रस्तुत किया गया केंद्रीय बजट एक विकसित भारत के निर्माण की दिशा में सरकार की सशक्त मंशा को दशार्ता है, जो निरंतर, अनुकूलनीय और दूरदर्शी संरचनात्मक सुधारों पर आधारित है। भारत की लगभग 7% की विकास दर, गरीबी में कमी और सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ नागरिकों तक पहुँचाने की प्रतिबद्धता के साथ, यह बजट स्पष्ट रूप से आकांक्षाओं को उपलब्धियों में और क्षमता को प्रदर्शन में बदलने का लक्ष्य रखता है। बजट की मूल भावना विकसित भारत संवाद और युवा-शक्ति प्रेरित दृष्टिकोण से जुड़ी है, जिसे तीन स्पष्ट कर्तव्यों द्वारा दिशा दी गई है—आर्थिक विकास को गति देना और बनाए रखना, जन-आकांक्षाओं की पूर्ति करते हुए क्षमता निर्माण करना तथा सबका साथ, सबका विकास के विजन के अनुरूप समावेशी प्रगति सुनिश्चित करना। अव कॉर्पोरेट एडवाइजरी एंड लीगल सर्विसेज, संस्थापक-अक्षत खेतान ने कहा।

इस बजट की सबसे बड़ी विशेषता इसका गतिशील संरचनात्मक सुधारों पर जोर है। विभिन्न क्षेत्रों में एआई के उपयोग को फोर्स मल्टीप्लायर के रूप में अपनाने और केंद्र-राज्य स्तर पर चल रहे विनियमन-शिथिलीकरण प्रयास, सरकार के आधुनिक और व्यावहारिक नीति दृष्टिकोण को दशार्ते हैं। विनिर्माण और औद्योगिक क्षेत्रों में प्रस्तावित रणनीतिक हस्तक्षेपों का उद्देश्य चैंपियन एमएसएमई तैयार करना, दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करना, बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करना और भविष्य की वृद्धि के लिए शहरों के इकोसिस्टम को विकसित करना है।

यह बजट गहन क्षेत्रीय विश्लेषण और तकनीकी तैयारी को भी दशार्ता है। बायो-फार्मा शक्ति परियोजना, सेमीकंडक्टर मिशन और बुनियादी ढांचे के लिए लक्षित समर्थन, वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी क्षमताओं के निर्माण के प्रति सरकार की गंभीरता को रेखांकित करते हैं। विनिर्माण से लेकर सेवाओं तक, कृषि से लेकर प्रौद्योगिकी तक, यह बजट लगभग हर वर्ग और क्षेत्र को संबोधित करता है, जिससे स्पष्ट होता है कि नीति निर्धारण से पहले विस्तृत होमवर्क किया गया है।

कपड़ा क्षेत्र को इस बजट में बड़ा प्रोत्साहन मिला है—नेशनल फाइबर स्कीम, टेक्सटाइल क्लस्टर विकास और मेगा टेक्सटाइल पार्कों की स्थापना इसके प्रमुख उदाहरण हैं। महात्मा गांधी ग्राम स्वराज पहल के तहत खादी पर नया जोर एक उल्लेखनीय कदम है, जो विरासत और आधुनिक आर्थिक प्रासंगिकता का सुंदर समन्वय प्रस्तुत करता है। साथ ही, 200 विरासत औद्योगिक क्लस्टरों का पुनरुद्धार पारंपरिक औद्योगिक ताकत को आधुनिक वैल्यू चेन से जोड़ने में सहायक होगा।

एमएसएमई क्षेत्र के लिए यह बजट विशेष रूप से उत्साहजनक है। 10,000 करोड़ के एमएसएमई ग्रोथ फंड की घोषणा एक बड़ा और स्वागतयोग्य कदम है। इसके साथ आत्मनिर्भर भारत फंड, तरलता समर्थन, सीपीएसई के लिए टीआरईडीएस को अनिवार्य निपटान मंच बनाना और सीजीटीएमएसई के तहत इनवॉइस डिस्काउंटिंग जैसी पहलें एमएसएमई को मजबूती देंगी। आईसीएसआई, आईसीएआई और आईसीएमए के माध्यम से टियर-2 और टियर-3 शहरों में कॉर्पोरेट मित्र विकसित कर पेशेवर सहयोग उपलब्ध कराना, एमएसएमई की शासन क्षमता और विकास को नई दिशा देगा।

पीयू में केंद्रीय बजट 2026-27 का सजीव प्रसारण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में केंद्रीय बजट 2026-27 को लेकर गंभीर मंथन शुरू हो गया है। माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदी बेन पटेल के निर्देशो के क्रम में विश्वविद्यालय प्रशासन ने बजट के गहन अध्ययन के लिए एक विशेष समिति का गठन किया है। रविवार को कुलपति प्रो. वंदना सिंह की अध्यक्षता में समिति ने केंद्रीय बजट का सजीव प्रसारण देखा और विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व अनुसंधान योजनाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की।

कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 में अनुसंधान, नवाचार और उन्नत प्रौद्योगिकी को देश के आर्थिक विकास की रीढ़ के रूप में प्रस्तुत किया गया है। विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए बजट में सेमीकंडक्टर, जैव-प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डिजिटल अनुसंधान को विशेष प्राथमिकता दी गई है।

उन्होंने बताया कि इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 के अंतर्गत प्रस्तावित ?40,000 करोड़ के प्रावधान से चिप निर्माण, सामग्री विज्ञान और उन्नत तकनीकी अनुसंधान को गति मिलेगी। इससे विश्वविद्यालयों और उद्योगों के बीच सहयोग के नए अवसर सृजित होंगे।

स्वास्थ्य एवं जीवन विज्ञान के क्षेत्र में बायोफार्मा शक्ति योजना के तहत अगले पांच वर्षों में ?10,000 करोड़ के निवेश को शोधार्थियों के लिए बड़ा अवसर बताते हुए कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय अब लैब-टू-मार्केट मॉडल पर अनुसंधान को आगे बढ़ाएगा। इसके लिए एआई और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जाएगा। प्रो. सिंह ने यह भी स्पष्ट किया कि चिकित्सा, अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान, योग, नवीकरणीय ऊर्जा और जल अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में विश्वविद्यालय पहले से सक्रिय है और अब केंद्र सरकार की प्राथमिकताओं के अनुरूप इन क्षेत्रों में और अधिक प्रभावी योगदान देने की दिशा में कार्य किया जाएगा। समिति का उद्देश्य बजट के उन प्रावधानों की पहचान कर एक समेकित रिपोर्ट तैयार करना है, जो उच्च शिक्षा और अनुसंधान के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बना सकें। यह रिपोर्ट भविष्य में छात्रहित से जुड़ी योजनाओं और नीतिगत निर्णयों के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होगी। इस अवसर पर प्रो. सौरभ पाल, डॉ. विक्रांत भटेजा, डॉ. धीरेन्द्र चौधरी, डॉ. काजल डे, डॉ. रमांशु प्रताप सिंह सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से मासूम की दर्दनाक मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महराजगंज थाना क्षेत्र के प्रयागराज - शाहगंज मार्ग के पड़ाव स्थित रविवार को दर्दनाक हादसे में डेढ़ वर्षीय मासूम की ट्रैक्टर से कुचलकर मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने ट्रैक्टर व चालक को पकड़क पुलिस के हवाले कर दिया। घटना के बाद परिजन बच्चे को बदलापुर सीएचसी ले गए जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ट्रैक्टर व चालक को हिरासत में लेकर परिजनों को समझा बुझाकर शव को कब्जे में लिया।

थाना क्षेत्र के मेन रोड स्थित पड़ाव के पास रवी मोदनवाल अपने घर के सामने मिठाई की दुकान चलाते हैं। रविवार की सुबह लगभग साढ़े नौ बजे रवी का छोटा भाई अपने डेढ़ वर्षीय भतीजे अभी को बगल किनारे की दुकान से चिप्स दिलाकर घर छोड़ दिया ऐसे में रवी का पुत्र अभी सड़क के किनारे आ गया तभी सुजानगंज की तरफ से गिट्टी सरिया सीमेंट लादकर आ रही ट्रैक्टर की चपेट में आ गया ट्राली के नीचे बुरी तरह कुचल गया। आसपास के लोग दौड़कर बच्चे को बाहर निकाले और परिजन आनन फानन में बदलापुर सीएचसी ले गए। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंचे थानाध्यक्ष तरुन श्रीवास्तव टीम के साथ ट्रैक्टर चालक हरिगेन बिंद निवासी मजीठी को ट्रैक्टर सहित थाने ले गए। मासूम का शव घर पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस किसी तरह परिजनों को समझा बुझाकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस संबंध में थानाध्यक्ष तरुन श्रीवास्तव ने बताया कि तहरीर मिलने पर विधिक कार्यवाही की जाएगी। इकलौते चिराग के बुझने से मां हुई बेसुध, परिजनों में माच कोहराम। ट्रैक्टर की चपेट में आने से हुए डेढ़ वर्षीय अभी की मौत से मां रोमा देवी, पिता रवी, बड़े भाई शनि ब दादी का रो रोकर बुरा हाल हुआ है। दादी दहाड़े मारकर रोते रोते बेहोश हो गई। रोमा अपने मासूम को खोने के गम में बेसुध हुई है। घर पर इस दर्दनाक मौत से सभी की आंखे नम हो जा रही है।

आयुक्त मनोज कुमार सूर्यवंशी ने भाजपा के सभी नगरसेवकों के साथ की मुलाकात

वसई-विरार। वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के आयुक्त मनोज कुमार सूर्यवंशी ने आज भारतीय जनता पार्टी के सभी कॉर्पोरेटर्स के साथ सद्भावना मुलाकात की। यह बैठक वसई-विरार शहर के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए आयोजित की गई, जिसमें कई अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान शहर की बेसिक सुविधाओं, सिविक समस्याओं, विकास कार्यों की प्रगति, तथा प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय जैसे विषयों पर सकारात्मक और रचनात्मक संवाद हुआ। भाजपा की ओर से यह स्पष्ट किया गया कि जनता की भलाई के लिए प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर विकास कार्यों को गति दी जाएगी। इस अवसर पर वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित, नालासोपारा विधायक राजन नाइक, भारतीय जनता पार्टी वसई-विरार सिटी डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट श्रीमती प्रज्ञा पाटिल, भाजपा ग्रुप लीडर एवं कॉर्पोरेटर अशोक शेलके, डिस्ट्रिक्ट जनरल सेक्रेटरी मनोज बारोट सहित बड़ी संख्या में कॉर्पोरेटर, पार्षद, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक को शहर के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण और सकारात्मक कदम माना जा रहा है।

अनोखे त्रिमंदिर में एकसाथ प्रतिष्ठापित हुए कई जैन,हिन्दू देवी देवता

* तीन दिनों तक हजारों भक्तों की उपस्थिति में धार्मिक अनुष्ठान
* दादा भगवान फाउंडेशन व महावीर जैन ट्रस्ट ने दी ठाणे को एक और पहचान - एकनाथ शिंदे

ठाणे। कभी तालाबों की नगरी कहे जाने वाले ठाणे शहर का तेजी से विकास हुआ है. आधुनिकता के साथ साथ ठाणे अपनी सांस्कृतिक एवं धार्मिक नगरी की पहचान बनाए रखने में भी सफल रहा है. ठाणे में हिन्दू,जैन,ईसाई धर्मो से जुड़े स्थलों के साथ मुस्लिम एवं पारसी यहूदी समुदाय के पुरातन धर्मस्थल मौजूद है. अब इस पुरातन शहर की संस्कृति, एकता व सभ्यता के प्रतीक के रूप में एक और अनूठे मंदिर का नाम जुड़ गया है.

त्रिमंदिर में विभिन्न देवी-देवताओं की मूर्तियां

देश विदेश में वस्तुनिष्ठ आत्मज्ञान एवं अध्यात्म का प्रचार करने वाले दादा भगवान फाउंडेशन एवं महावीर जैन ट्रस्ट की तरफ से ठाणे के सबसे बड़े त्रिमंदिर का निर्माण किया गया. पूरी तरह सफेद संगमरमर की नक्काशी किए गए पत्थरों से निर्मित इस भव्य दिव्य मंदिर में जैन व हिन्दू धर्म के देवताओं को एक साथ प्रतिष्ठापित किया गया. दादा भगवान फाउंडेशन के पूज्य दीपक भाई के सानिध्य में भगवान शिव,पार्वती, अम्बा देवी,श्रीकृष्ण, हनुमान और श्री समंधर स्वामी श्री पद्मनाभ भगवान एवं देवी देवताओं की दिव्य मूर्तियों की प्राणप्रतिष्ठा हुई. तीन दिनों तक चले इस विशेष अनुष्ठान में राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, मनपा आयुक्त सौरभ राव, महावीर जैन ट्रस्ट के अध्यक्ष अजय आशर सहित देश विदेश की विभिन्न संस्थाओं से जुड़े अतिथि एवं हजारों भक्त उपस्थित रहे.

ठाणे के लिए नई पहचान - एकनाथ शिंदे

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि इस त्रिमंदिर से ठाणे की पवित्रता बढ़ गई है. दादा भगवान फाउंडेशन एवं महावीर जैन ट्रस्ट को ठाणे मनपा का सहयोग मिला और यह अनोखा मंदिर रिकॉर्ड समय में बनकर तैयार हो गया. डिप्टी सीएम ने इसे ठाणे का गौरव बताया. दादा भगवान फाउंडेशन के पूज्य दीपक भाई ने कहा कि ठाणे शहर में भारतीय सनातन संस्कृति, सभ्यता एवं एकता का प्रतिक यह त्रिमंदिर बन गया है. इस त्रिमंदिर के निर्माण में मुख्य भूमिका निभाने वाले महावीर जैन ट्रस्ट के अध्यक्ष अजय आशर ने कहा कि संस्कृति सभ्यता एवं एकता का यह त्रिमंदिर भक्तगणों के लिए एक पवित्र उपहार की तरह है.

इन देवी देवताओं की मूर्तियां

त्रिमंदिर में श्री तिरुपति बालाजी, श्री गणपति जी, हनुमान जी,श्री तुलजा भवानी माताजी,श्री अम्बे माताजी,श्री समंधर स्वामी जी महाराज,श्री पद्मावती देवी, श्री पार्वती देवी, श्री पद्मनाभ भगवान, श्रीनाथजी,श्री चक्रेश्वरी देवी, श्री भद्रकाली देवी,श्री ऋषभदेव भगवान,श्री अजितनाथ भगवान, श्री पार्श्वनाथ भगवान श्री महावीर भगवान , श्री चान्द्रायण यक्षदेव, श्री पंचांगुली यक्षिणी देवी, साईबाबा की मूर्तियों की प्राणप्रतिष्ठा गई है.

सूर्यवंशी सामाजिक संस्था द्वारा निपुण दोषी और कल्पेश चौहान का सम्मान

वसई रोड। वसई रोड पश्चिम के आनंदनगर स्थित विश्वकर्मा हॉल में सूर्यवंशी सामाजिक संस्था द्वारा एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में संस्था से जुड़े बालक-बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम की सफलता पर संस्था की ओर से सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के नेता निपुण दोषी और कल्पेश चौहान को सूर्यवंशी सामाजिक संस्था द्वारा सम्मानित किया गया। संस्था की ओर से दोनों नेताओं को गुलदस्ता भेंट कर उनके सामाजिक योगदान की सराहना की गई तथा संस्था के निरंतर प्रगति और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गई। कार्यक्रम में भावेश जोबन पुत्रा, बिनाबेन, पदमाबेन, बिनाबेन और बिपिनभाई पोपट ने भी उपस्थित रहकर सम्मान समारोह में भाग लिया और कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। सूर्यवंशी सामाजिक संस्था द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम सामाजिक एकता, सांस्कृतिक सहभागिता और समाज के सर्वांगीण विकास का प्रतीक रहा।

फारूक जुनून अवार्ड पीयरलेस- 2025 तथा द चोजेन वन अवार्ड 2025 से विभूतियां हुई सम्मानित

प्रसिद्ध कवि कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा कॉपीरायरलेस अवार्ड 2025 से नवाजा गया

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। आज बेनहर स्कूल्स एंड कॉलेज करेलाबाग ने अपने तीन दिवसीय 28 वें स्थापना दिवस के तीसरे दिन विभिन्न क्षेत्रों में विलक्षण कीर्तिमान बनाने वाले विभूतियों को अपने प्रतिष्ठित अवार्ड ' पीयरलेस 2025 ' एवं ' द चोजेन वन 2025 ' से सुशोभित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व न्यायधीश राहुल चतुर्वेदी ने अपने कर कमलों से विभूतियां को सम्मानित किया। गौरतलब है कि बेनहर स्कूल्स एंड कॉलेज की फारूक जूनून फाउंडेशन ने अपना पन्द्रहवां फारूक जुनून अवार्ड फॉर एक्सीलेंस - पीयरलेस अवार्ड 2025 से निम्न विभूतियों को सम्मानित किया जिसमें पद्मश्री अनिल कुमार रस्तोगी -थिएटर एंड फिल्म्स के लिए, पूर्णिमा वर्मन - साहित्य के लिए, सूर्यमोहन कुलश्रेष्ठ- थिएटर एंड फिल्म्स के लिए डा० निशि पांडेय- एजुकेशन के लिए ,सिद्धार्थ कलहंस -एजुकेशन के लिए ,बालेंदु द्विवेदी - नाटक के लिए , डॉ० शाह वलीउल्लाह - ऑथोर्पेडिक्स (स्पाइन सर्जरी) के लिए, रवीन्द्र कुशवाहा- परफार्मिंग आर्ट्स के लिए, डा० मो० कलीम अकमल-रेडियोलोजी के लिए, डा० पिंकी सैनी - फूड टेक्नोलॉजी के लिए, पूजा प्रकाश - स्पेशल एजुकेशन के लिए, पूर्व न्यायधीश राहुल चतुर्वेदी - न्याय के लिए। इसी तरह जाहिदा फाउंडेशन ने अपने आठवें जाहिदा अवार्ड - द चोजेन वन, से निम्न विभूतियों को अलंकृत किया। यह अवार्ड प्रति वर्ष उत्कृष्ठ समाजसेवा के लिए दिया जाता है। जिसमें फादर विलियम मैथियस , गुरमीत सिंह,पतविंदर सिंह , सिस्टर ऐलिस ,मोहम्मद जीशान , मयंक गर्ग शामिल रहे। यह रंगारंग सम्मान समारोह बेनहर स्कूल्स के जाहिदा ऑडिटोरियम में सायं 5 बजे शुरू हुआ जिसमे बेनहर स्कूल्स के संस्थापक तारिक खान , चेयरपर्सन डा० अफरोज जहाँ तथा विशिष्ठ अतिथि डा० अदीबा खान ने मुख्य अतिथि के साथ ट्रॉफी , साइटेशन , मैडल तथा शाल देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य सबीहा खान , उप प्रधानाचार्य अलीना खान , शम्स तबरेज, परवेज अहमद , अध्यापकगण , स्कूल के क्षात्र / छात्रा एवं नगर के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन असर नवाज ने किया।

डिवाइडर से टकराने से बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत

बक्शा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना क्षेत्र के आदर्श इंटर कॉलेज के पीछे हाईवे पर डिवाइडर से टकराने से बाइक सवार युवक मौके ही मौत। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना डायल 108 को दी मौके पहुंचकर तत्परता दिखाते हुए। अस्पताल ले जाया गया जहा पर चिकित्सक ने देखने के बाद मृत्यु बताया। वही आस पास के लोगों का कहना था कि शाम लगभग 7.45 बजे या एक्सीडेंट हुआ है। युवक की पहचान जैकी गौरव पुत्र रमेश सिंह,निवासी ग्राम कपूरपुर, थाना तेजी बाजार जनपद जौनपुर के रूप में हुई है। युवक अपनी दो पहिया वाहन UP 50 M 0306 से जौनपुर से आपने घर कपूरपुर थाना तेजी बाजार जा रहा था। जाते समय दो पहिया वाहन डिवाइडर से जा कर टकरा गयी थी। मौके पर डायल 112 पहुंचकर जांच में जुट गई है और शव को पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर मर्चरी हाउस में रख दिया है। जब इस घटना के बारे में उत्तरशक्ति न्यूज के उप सम्पादक डॉ.इम्तियाज अहमद ने बक्शा के थाना प्रभारी विक्रम लक्ष्मण सिंह से दूर संचार के माध्यम से पूछा तो थाना प्रभारी का कहना था कि युवक की मृत्यु हो गई है।

जमीन की खातिर रिश्तों का कत्ल: दादा की हत्या कर पोता फरार

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। संपत्ति विवाद में पोते ने 80 वर्षिय दादा की चाकू से हमला कर घायल कर दिया ।दिनों तक मौत से जंग लड़ने के बाद शनिवार रात बुजुर्ग ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। फिलहाल पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई है.मृतक गजराज के दूसरे बेटे पवन ने बताया कि 28 जनवरी की शाम उनके पिता घर के बाहर बैठे थे, तभी उनके बड़े भाई मनोज का बेटा रोहित उर्फ आकाश वहां पहुंचा और जमीन का विवाद के चलते गाली-गलौज करने लगा, फिर रोहित ने अचानक चाकू से हमला कर पिता की गर्दन हमला कर दिया, जिससे वे लहूलुहान होकर गिर पड़े. शोर मचाने पर आरोपी मौके से फरार हो गया। 7 नवंबर से चल रहा था विवादः बताया जा रहा है कि 7 नवंबर को एक जमीन की बिक्री के बाद से दादा और पोते के बीच कई बार कहासुनी हो चुकी है. हालांकि, पूर्व में ग्रामीणों ने हस्तक्षेप कर मामला शांत कराया था, लेकिन रोहित के मन में रंजिश बनी रही, जो जानलेवा हमले में बदल गई। परिजनों का आरोप, पुलिस ने सिर्फ खानापूर्ति कीः परिवार ने सैरपुर पुलिस की भूमिका पर कड़े सवाल उठाए हैं। परिजनों का आरोप है कि हमला हुए तीन दिन बीत चुके थे, लेकिन पुलिस ने आरोपी रोहित उर्फ आकाश को गिरफ्तार करने में कोई तत्परता नहीं दिखाई ।पुलिस ने केवल मुकदमा दर्ज कर खानापूर्ति की, जिसका नतीजा यह हुआ कि घायल बुजुर्ग की जान चली गई और आरोपी अब भी फरार है। सैरपुर थाना प्रभारी मनोज कोरी ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हमले के बाद ही सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया था। अब बुजुर्ग की मौत के बाद मामले में हत्या की धाराएं बढ़ाई जाएंगी और फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

सेंट्रल बजट 2026 से पालघर को विकास की महा-भेट: डॉ. हेमंत सावरा

पालघर। केंद्रीय बजट 2026 ने पालघर जिले के सर्वांगीण विकास के लिए नए अवसरों के द्वार खोल दिए हैं। पालघर के सांसद डॉ. हेमंत सावरा ने कहा कि इस बजट में महिलाओं, किसानों, मछुआरों और युवाओं के लिए की गई बड़ी घोषणाओं से जिले की तस्वीर और तकदीर दोनों बदलने वाली हैं। डॉ. सावरा के अनुसार, सरकार का उद्देश्य पालघर को सामाजिक और आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है, जिसके लिए हर वर्ग को ध्यान में रखते हुए योजनाएं तैयार की गई हैं।

बेटियों की सुरक्षा और शिक्षा को बढ़ावा

ग्रामीण क्षेत्रों की छात्राओं को सुरक्षित और बेहतर शैक्षणिक माहौल देने के लिए पालघर जिले में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त गर्ल्स हॉस्टल का निर्माण किया जाएगा। इससे दूरदराज के इलाकों की लड़कियों को पढ़ाई में आने वाली बाधाएं दूर होंगी।

महिलाओं द्वारा बनाए गए उत्पादों और हस्तशिल्प को बाजार उपलब्ध कराने के लिए रत्नए-टं१३ की शुरूआत की जाएगी। इसके माध्यम से पालघर की महिलाओं के उत्पाद देश-विदेश तक पहुंचेंगे, जिससे उन्हें आर्थिक आत्मनिर्भरता मिलेगी।

काजू और नारियल किसानों के लिए खुशखबरी

पालघर की पहचान बने काजू और नारियल को ग्लोबल ब्रांड के रूप में विकसित किया जाएगा। सरकार की विशेष योजनाओं से किसानों को अंतरराष्ट्रीय बाजार मिलेगा और उनकी उपज को बेहतर मूल्य प्राप्त होगा।

मछुआरों को ऐतिहासिक राहत

समुद्र तट पर बसे पालघर के मछुआरों के लिए बड़ा फैसला लेते हुए सरकार ने पकड़ी गई मछलियों पर लगने वाले टैक्स और ड्यूटी को समाप्त कर दिया है। इससे मछली व्यवसाय को बढ़ावा मिलेगा और मछुआरों की आमदनी बढ़ेगी।

युवाओं के लिए रोजगार और स्टार्टअप फंड

पालघर के युवाओं को रोजगार और उद्यमिता के अवसर देने के लिए 10,000 करोड़ रुपये का विशेष फंड तैयार किया गया है। इससे नए स्टार्टअप, उद्योग और नौकरियों का सृजन होगा।

जिले के 200 पुराने और बंद पड़े इंडस्ट्रियल क्लस्टर को फिर से शुरू किया जाएगा। इससे तारापुर, बोईसर, वाडा और कुडूस जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां तेज होंगी और स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा।

डॉ. हेमंत सावरा ने विश्वास जताया कि यह केंद्रीय बजट पालघर जिले को विकास की नई दिशा देगा और आने वाले वर्षों में जिले को प्रगति के शिखर पर ले जाएगा।

शिक्षकों के कैशलेस चिकित्सा सुविधा से खुशियों की लहर

दानिश सिद्दीकी

बक्शा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकासखंड बक्सा शिक्षा संघ के अध्यक्ष सरोज सिंह ने कहा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सरकारी शिक्षकों और स्कूल रसोइयों के लिए शुरू की गई कैशलेस चिकित्सा सुविधा का हर तरफ स्वागत हो रहा है। हाल ही में बक्शा ब्लॉक के एक प्राथमिक विद्यालय में शिक्षकों ने इस पहल की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त किया।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्री वीरसेन यादव और शिक्षा संघ के अध्यक्ष सरोज सिंह ने इस सुविधा को शिक्षकों के लिए एक बड़ी राहत बताया। उन्होंने कहा कि यह लंबे समय से लंबित मांग थी, जिसे सरकार ने पूरा कर स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित की है। रसोइयों और अनुदेशकों में भी उत्साह

सिर्फ शिक्षक ही नहीं, बल्कि विद्यालय में कार्यरत रसोइयां और अनुदेशक भी इस फैसले से बेहद खुश हैं। शिक्षकों का कहना है। रसोइयां बहनें, जो बहुत ही सामान्य परिवारों से आती हैं, अब बिना किसी वित्तीय तनाव के बेहतर इलाज पा सकेंगी। स्वस्थ शिक्षक ही स्वस्थ मानसिकता के साथ बच्चों को उज्वल भविष्य दे सकते हैं। यह योजना पूरे प्रदेश के शिक्षा विभाग में सकारात्मक ऊर्जा भर रही है। इस अवसर पर. शिक्षा संघ के अध्यक्ष सरोज सिंह, प्रधानाध्यापक वीरसेन यादव, वीरेंद्र यादव, और अनुदेशक अवनीश श्रीवास्तव सहित अन्य शिक्षक गण मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में इस जनहितकारी कदम की प्रशंसा की।

जब पेशे से आगे बढ़कर करुणा बनी पहचान

वाराणसी। ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में 30 जनवरी से 1 फरवरी 2026 तक आयोजित वर्ल्ड फोरम ऑफ अकाउंटेंट्स का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन इस वर्ष कई मायनों में ऐतिहासिक रहा। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित इस वैश्विक सम्मेलन में भारत सहित दुनिया भर के लगभग दस हजार चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ने भाग लेकर लेखा, वित्त और सामाजिक उत्तरदायित्व से जुड़े विमर्श को नई दिशा दी।

इसी भव्य आयोजन के समापन सत्र में काशी की वरिष्ठ चार्टर्ड अकाउंटेंट और समाजसेवी सीए श्रीमती सुदेशना बसु को Women's Excellence Award से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें किसी कॉर्पोरेट उपलब्धि या आर्थिक नवाचार के लिए नहीं, बल्कि सड़कों पर बेसहारा, घायल और बीमार पशुओं की निस्वार्थ सेवा के लिए प्रदान किया गया—जो अपने आप में इस सम्मेलन की सबसे संवेदनशील और प्रेरक उपलब्धि रही।

कानून, संस्कृति और समाज के संगम पर सम्मान

सम्मान समारोह के दौरान भारत के केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री तथा संस्कृति एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल और जल शक्ति मंत्रालय में राज्य मंत्री श्री राज भूषण चौधरी ने अपने कर-कमलों से सीए सुदेशना बसु को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया। अंतरराष्ट्रीय मंच पर जब काशी की एक बेटी का नाम सामाजिक करुणा और सेवा के लिए गूंजा, तो यह क्षण केवल व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि पूरे पूर्वांचल और काशी की सांस्कृतिक चेतना के लिए गौरवपूर्ण बन गया।

जब अकाउंट्स से आगे बढ़कर इंसानियत बोली

सीए सुदेशना बसु वर्षों से वाराणसी की सड़कों पर घायल, बीमार और त्यक्त पशुओं के उपचार, संरक्षण और पुनर्वास के लिए समर्पित रूप से कार्य कर रही हैं। व्यस्त पेशेवर जीवन के बावजूद उन्होंने यह सिद्ध किया कि संवेदनशीलता समय या सुविधा की मोहताज नहीं होती। कई बार आधी रात को घायल पशु के इलाज के लिए निकल पड़ना, स्वयं संसाधन जुटाकर उपचार कराना और समाज को पशु कल्याण के प्रति जागरूक करना—यह सब उनकी दिनचर्या का हिस्सा है। उनकी यह सेवा न तो प्रचार की आकांक्षा से प्रेरित रही, न ही किसी मंच की अपेक्षा से। शायद इसी निस्वार्थ भाव ने उन्हें आज अंतरराष्ट्रीय सम्मान तक पहुंचाया।

इस अंतरराष्ट्रीय सम्मान ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि पेशेवर उत्कृष्टता और सामाजिक जिम्मेदारी एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। काशी, जो सदियों से करुणा, सह-अस्तित्व और जीवदया की भूमि रही है, आज उसी परंपरा को आधुनिक संदर्भ में आगे बढ़ते हुए देख रही है।

सीए सुदेशना बसु की यह उपलब्धि विशेष रूप से युवाओं और पेशेवर वर्ग के लिए प्रेरणा है कि सफलता का वास्तविक अर्थ केवल आर्थिक ऊंचाइयों में नहीं, बल्कि समाज के सबसे असहाय वर्ग—चाहे वह इंसान हो या पशु—के प्रति संवेदनशील होने में निहित है।

अंतरराष्ट्रीय मंच से उठा मानवीय स्वर

वर्ल्ड फोरम ऑफ अकाउंटेंट्स जैसे वैश्विक मंच पर जब पशु सेवा जैसे विषय को सम्मान मिला, तो यह सम्मेलन के उद्देश्य को भी व्यापक बनाता है। यह दशार्ता है कि आज की वैश्विक सोच केवल बैलेंस शीट और मुनाफे तक सीमित नहीं, बल्कि करुणा, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व को भी समान महत्व देती है। सीए सुदेशना बसु का सम्मान इस बात का प्रमाण है कि काशी केवल मोक्ष की नगरी ही नहीं, बल्कि करुणा की जीवंत प्रयोगशाला भी है—जहां सेवा, संवेदना और संस्कार आज भी सांस लेते हैं।

बोरीवली में रक्तदान शिविर के आयोजन में पहुंचे पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी

बोरीवली। ओमप्रकाश प्रतिष्ठान के तत्वावधान में बोरीवली-पूर्व के गीता भवन में आयोजित रक्तदान शिविर में शामिल होकर उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने रक्तदाताओं और आयोजकों का हौंसला बढ़ाया । प्रशान्त पुजारी द्वारा आयोजित इस रक्तदान शिविर में कुल 101 यूनिट रक्त संकलित किया गया। इस अवसर पर सभी रक्त दाताओं को जनसेवक गोपाल शेट्टी ने सर्टिफिकेट प्रदान कर उनका सत्कार किया और सबको संबोधित करते हुए रक्तदान जैसा महादान नियमित करते रहने के लिए प्रेरित किया।

केऔसुब के पद से सुदर्शन कुमार पाठक का सेवा संपूर्ति एवं विदाई समारोह संपन्न

इंदौर(उत्तरशक्ति)। सुदर्शन कुमार बीएल पाठक केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में 2 जून 1991 में बड़वाह में प्रशिक्षण केंद्र कमांडो पद पर आसीन हुए थे , और सन 1996 को प्रमोशन केडर कोर्स में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएफ) बड़वाह में नियुक्त हुए सन 2023 को देश की 13 इकाइयों भारत सरकार के संस्थानों में कर्तव्य का निर्वाह किया । विभिन्न राज्यों में आंतरिक सुरक्षा सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ वर्ष 1998 से 2000 तक ऊरी सेक्टर जम्मू एंड कश्मीर में पदस्थ रहे , आंतरिक सुरक्षा में नक्सली प्रभावित क्षेत्रों में झारखंड , छत्तीसगढ़ जैसे नक्सलवादी क्षेत्रों में सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ सुदर्शन कुमार पाठक ने अपने कर्तव्य का पालन करते हुए पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ कार्य किया , जिसके फल स्वरुप भारत सरकार गृह मंत्रालय द्वारा वर्ष 2023 में पुलिस आंतरिक सुरक्षा सेवा पद से सम्मानित किए गए । वर्ष वर्ष 2025 में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल आरटीसी बड़वाह में पदस्थ रहे, तथा 31 जनवरी 2026 को 60 वर्ष पूर्ण कर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के पद से बडवाह में सेवा निवृत्त हुए । सेवा निवृत्त पर कई अधिकारियों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी। सेवा संपूर्ति एवं विदाई समारोह का आयोजन अत्यंत भावपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। दैनिक उत्तर शक्ति के चीफ ब्यूरो प्रवीण नरेंद्र तिवारी ने प्रेस विज्ञाप्ति के माध्यम से जानकारी दी है।

विकसित भारत का नहीं, विकसित भाजपा का बजट कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री एड. यशोमती ठाकुर की टिप्पणी

मुंबई। केंद्रीय बजट वहां अच्छा है जहां चुनाव हैं, और जहां चुनाव नहीं हैं वहां इसके लिए कुछ नहीं है। इसका मतलब यह है कि यह विकसित भारत के लिए नहीं, बल्कि विकसित भाजपा के लिए बजट है, ऐसा आरोप कांग्रेस नेता और पूर्व महिला एवं बाल विकास मंत्री यशोमती ठाकुर ने लगाया। अर्थसंकल्पीय अधिवेशन में रविवार को देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2026-27 के लिए बजट पेश किया। देश में इस समय महंगाई, बेरोजगारी और उद्योग-धंधों के संकट जैसी गंभीर परिस्थितियाँ हैं। देश के विकास के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा, सामाजिक विकास और कल्याणकारी योजनाओं के मामले में यह बजट दिशाहीन लगता है। विशेष रूप से, जिन राज्यों में चुनाव हैं, उनके लिए अधिक प्रावधान किए गए हैं, जबकि जिन राज्यों में चुनाव नहीं हैं, उन्हें पूरी तरह नजरअंदाज किया गया है। देश के आम लोगों की कमर टूट चुकी है। ऐसे समय में आम जनता को समर्थन देने वाला और देश की अर्थव्यवस्था को गति देने वाला बजट पेश किया जाने की आम जनता को उम्मीद थी। लेकिन केंद्र की भाजपा सरकार ने आम जनता को कोई राहत देने वाला बजट पेश नहीं किया। इस बजट पर यशोमती ठाकुर ने कड़ी प्रतिक्रिया दी और कहा कि केंद्रीय बजट अत्यंत निराशाजनक और हास्यास्पद है। इस बजट में आम जनता, किसानों और मध्यम वर्ग के लिए कोई ठोस प्रावधान दिखाई नहीं देता। जीएसटी का प्रभाव इतनी बड़ी मात्रा में पड़ रहा है, लेकिन इसका समाधान इस बजट में कहीं नहीं दिखता। विकास कार्य नजर नहीं आ रहे हैं, ऐसा ठाकुर ने कहा। इस बजट में महंगाई को नियंत्रित करने या कम करने के लिए कोई उपाय दिखाई नहीं देते। आम जनता आज महंगाई से त्रस्त है। लेकिन सरकार इस बजट में इस पर कोई समाधान पेश नहीं कर सकी। इसलिए यह बजट आम जनता को कोई राहत देने वाला नहीं है, ऐसा ठाकुर ने कहा। आज देश के किसान अत्यंत संकट में हैं, लेकिन इस बजट में किसानों को समर्थन देने वाले कोई ठोस प्रावधान नहीं दिखाई देते।

Union Budget 2026 Quote: - विवेक सिंह, सीईओ होम क्रेडिट इंडिया

मुंबई। होम क्रेडिट इंडिया छोटे व्यवसायों के लिए रिस्पूंक कैपिटल तक पहुंच मजबूत करने के बजट 2026 के उपायों का स्वागत करता है। इस वर्ष के बजट से छोटे व्यवसायों और सूक्ष्म उद्यमों के लिए विकास और जोखिम पूंजी की उपलब्धता बढ़ाकर रोजगार के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है। 10,000 करोड़ रुपये के एसएमई ग्रोथ फंड के साथ 2,000 करोड़ रुपये के सूक्ष्म-उद्यम रिस्क पूंजी टॉप-अप की शुरूआत सामुदायिक स्तर पर अतिरिक्त वित्तीय संसाधन पैदा करेगी। इससे परिवारों और व्यवसाय मालिकों को ड्यूरेबल वस्तुओं, परिवहन और आवासीय आवश्यकताओं की अपनी खरीद को बनाए रखने में मदद मिलेगी। नए नियम उन गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को सक्षम बनाते हैं जो दोपहिया वाहनों, उपभोक्ता टिकाऊ उत्पादों और लोन अगेंस्ट प्रॉपर्टी की सेवाएं प्रदान करती हैं, ताकि वे अधिक स्थिर और जिम्मेदार ग्राहक खर्च पैटर्न हासिल कर सकें। सार्वजनिक पूंजीगत व्यय वित्त वर्ष 2026 में अपने वर्तमान स्तर से बढ़कर 11 लाख करोड़ रुपये हो जाएगा और सरकार की योजना वित्त वर्ष 2027 में 12.2 लाख करोड़ रुपये खर्च करने की है। यह बुनियादी ढांचा विकास टियर-2 और टियर-3 शहरों में श्रमिकों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेगा और आय के स्तर को बनाए रखेगा, जहां लोगों ने अधिक पैसा खर्च करना शुरू कर दिया है। वित्त वर्ष 2027 के लिए 15.44 लाख करोड़ रुपये के शुद्ध उधार लक्ष्य के साथ, बजट 2026 ठइत्रऋ३र को एसएमई, दोपहिया वाहनों, उपभोक्ता वस्तुओं और लोन अगेंस्ट प्रॉपर्टी (एलएपी) ग्राहकों को वित्तपोषित करने में सहायता प्रदान करता है।